A Daily News Magazine

इंदौर

बुधवार, 07 अगस्त, 2024

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 284, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews


प्रसंगवश

# बांग्लादेश में हालात बिगड़ने के पीछे 'विदेशी एंगल' भी है?

**नितिन श्रीवास्तव**

पिछले कुछ वक्त से बांग्लादेश में शेख़ हसीना सरकार के लिए सबकुछ अच्छा नहीं चल रहा था। घरेलू मोर्चे पर जहां उन्हें विपक्षी पार्टियों के दबाव और प्रदर्शनों का सामना करना पड़ा। वहीं विदेशी मोर्चे पर भी भारत और चीन के बीच संतुलन की सरकार की नीति सटीक नहीं बैठ रही थी।

पिछले महीने चीन के दौरे पर गईं शेख़ हसीना तय समय से पहले ही वापस आ गई थीं। ऐसा माना गया कि शेख़ हसीना जो सोचकर चीन गईं थीं, वो हासिल नहीं हुआ। बांग्लादेश में भारत की पूर्व उच्चायुक्त वीना सीकरी बीबीसी हिन्दी से कहती हैं कि चीन में शेख़ हसीना को उचित सम्मान नहीं दिया गया, शी जिनपिंग के साथ वो जो बैठक चाहती थीं वो भी नहीं हो पाई। वीना कहती हैं, 'ये नहीं समझ आता कि चीन की सरकार ने आखिर क्या सोचकर ऐसा किया। क्योंकि उस दिन तक चीन की सरकार, बांग्लादेश की सरकार के साथ दोस्ताना रिश्ते दिखा रही थी और ऐसे बयान भी दे रही थी।'

चीन से वापस आते ही शेख़ हसीना ने भारत के लिए एक बड़ा ऐलान कर दिया था। शेख़ हसीना का कहना था कि तीस्ता परियोजना में भारत और चीन दोनों की दिलचस्पी थी लेकिन वह चाहती हैं कि इस परियोजना को भारत पूरा करे। इस बीच भारत और चीन से हसीना सरकार के संबंधों को लेकर बांग्लादेश में ही सवाल उठ रहे थे।

जिस पर हसीना ने कहा था, 'चीन से हमारे संबंध अच्छे हैं। इससे पहले मैं भारत दौरे पर गई थी, तब कहा गया कि मैंने देश भारत को बेच दिया है। मैं चीन गई तो कुछ हासिल नहीं हुआ। ये सब बयान आते रहते हैं। मुझे लगता है कि लोग मानसिक रूप से बीमार हैं।'

शेख़ हसीना के भारत और चीन पर दिए बयान को अभी एक महीने भी पूरे नहीं हुआ था कि शेख़ हसीना सत्ता से बेदखल हो गई हैं। आरक्षण पर चल रहे हिंसक प्रदर्शनों के राष्ट्रव्यापी आंदोलन में तब्दील हो जाने के बाद बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख़ हसीना ने देश छोड़ दिया। वो एक सैन्य विमान से दिल्ली के पास गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस पहुंचीं। इसके बाद ऐसी ख़बरें आईं कि भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने शेख़ हसीना से मुलाक़ात की।

इसी बीच बांग्लादेश में सेना प्रमुख जनरल वकार ने अंतरिम सरकार के गठन का ऐलान कर दिया। बांग्लादेश में मची इस उथल-पुथल को लेकर अब सवाल ये भी है कि क्या ये पूरा घटनाक्रम महज़ आरक्षण को लेकर प्रदर्शन पर टिका था या इसके पीछे कई और कारण शामिल थे। सोशल मीडिया पर कई लोग इस बारे में दावा करते हुए सवाल उठा रहे हैं कि बांग्लादेश में जो हुआ, उसके पीछे विदेशी ताकतें हो सकती हैं?

बांग्लादेश में भारत की पूर्व उच्चायुक्त वीना सीकरी विदेशी ताकतों के शामिल होने की बात से इनकार नहीं करतीं। वो कहती हैं कि ये देखना होगा कि आरक्षण में सुधार पर शुरू हुए आंदोलन का कैसे पूरा स्वरूप ही बदल गया है। ये बदलाव बहुत कुछ बताता है।

बांग्लादेश में भारत के पूर्व उच्चायुक्त हर्ष श्रृंगला कहते हैं, 'आप उन विदेशी ताकतों के शामिल होने की बात से इनकार नहीं कर सकते हैं, जो बांग्लादेश के हितों से और साफ़ तौर से हमारी सुरक्षा हितों के भी ख़िलाफ़ हैं।' हालांकि, हर्ष श्रृंगला इस पूरे घटनाक्रम के पीछे आर्थिक कारणों को भी ज़िम्मेदार मानते हैं।

वीना सीकरी हालिया प्रदर्शनों को सावधानीपूर्वक बनाई गई सुनियोजित रणनीति बताती हैं और ये भी कहती हैं कि आरक्षण के मुद्दे पर तो सरकार और छात्र एक ही विचार रखते थे। वो बोलीं, 'ये आरक्षण सुधार आंदोलन 2018 में शुरू हुआ था। तब शेख़ हसीना सरकार ने प्रदर्शनकारियों की सभी मांगों को मान लिया था। लेकिन इसके ख़िलाफ़ जून के महीने में हाईकोर्ट में अपील हुई और आरक्षण को बरकरार रखा गया। लेकिन शेख़ हसीना सरकार सुप्रीम कोर्ट गई। वो छात्रों के साथ थी, उन्होंने कहा था कि वो आरक्षण ख़त्म करेंगीं।' बाद में बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण व्यवस्था को क़रीब-करीब ख़त्म ही कर दिया। वीना कहती हैं कि अब ऐसा लगता है कि जमात-ए-इस्लामी और बीएनपी के छात्र शाखा के प्रदर्शनकारी आ गए और बहुत ज़्यादा हिंसा हुई।'

बीबीसी संवाददाता अकबर होसैन के मुताबिक़,

जो भी सरकार बनेगी, उसके लिए क़ानून व्यवस्था बड़ी चुनौती होगी। कई जगहों पर लूटपाट की ख़बरें आ रही हैं। कानून व्यवस्था से जुड़ी चीज़ों को नियंत्रित करना चुनौती से भरा रहेगा। कई राजनीतिक जानकारों का कहना है कि अगर अंतरिम सरकार हालात को सामान्य बनाने में नाकाम रहती है तो हालात और बिगड़ेंगे। सब कुछ साफ होते हुए भी शेख़ हसीना हालात को भांपने में नाकाम रहीं। वो समझ ही नहीं पाईं कि हो क्या रहा है या समझने की कोशिश भी नहीं की कि देश के युवा चाहते क्या हैं। बांग्लादेश के युवा राजनीतिक तौर पर काफी जागरूक हैं। आरक्षण का मसला था पर वो चाहते थे कि न्याय हो।

हाल में हुए चुनावों को लेकर पश्चिमी देश सवाल उठा रहे थे क्योंकि विपक्षी दलों का सफाया कर दिया गया था। मानवाधिकारों को लेकर भी सवाल उठे। मगर हसीना ने किसी की नहीं सुनी। देश में बेरोज़गारी बढ़ गई थी, अभिव्यक्ति की आज़ादी नहीं थी। इसके बाद युवाओं के गुस्से, डर और हताशा के मिलने से ऐसे हालात बने और वो सड़कों पर उतरे।

फिलहाल, बांग्लादेश की सेना ने देश में अंतरिम सरकार का गठन करने की घोषणा कर दी है। प्रदर्शन के बाद पैदा हुए ऐसे हालात में सेना सामने आई है और देश में स्थिरता की बात कर रही है। आखिर, सेना का इस तरह से सामने आना क्या इशारा करता है?

वीना सीकरी का कहना है कि उन्हें नहीं लगता कि बांग्लादेश की सेना वहां सत्ता पर काबिज होना चाहती है। आज वो इसलिए सामने आई क्योंकि सिर्फ़ वही है जो हालात को नियंत्रण में ला सकती है। श्रीलंका में भी बिल्कुल ऐसा ही हुआ था।

शेख़ हसीना इस वक्त भारत में हैं और इस पड़ोसी देश में आए इस सियासी भूकंप के झटके भारत में भी लग सकते हैं। सीकरी मानती हैं कि इसका असर भारत पर पड़ेगा और भारत स्थिरता चाहता है। भारत हमेशा चाहता है कि बांग्लादेश समेत उसके पड़ोसी स्थिर हों और वहां पर लोकतंत्र बना रहे। उसकी कोशिश स्थिरता लाने की होगी।

सियासत से इतर भारत के बांग्लादेश के साथ कारोबारी रिश्ते भी बेहद मजूबत हैं। दक्षिण एशिया में बांग्लादेश, भारत का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है।

**(बीबीसी हिन्दी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)**

# बांग्लादेश में हालात बेकाबू

## हिंदुओं पर हमला

**घरों से निकालकर पीटा, इस्कान मंदिर को फूंका**

**हिंदू महिलाओं के साथ की जा रही है बर्बरता**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बांग्लादेश में हालात बेकाबू हो चुके हैं। हिंसा और आगजनी के बीच अब उपद्रवियों ने अल्पसंख्यक हिंदुओं को निशाना बनाना शुरू कर दिया। भीड़ चुन-चुनकर हिंदुओं को निशाना बना रही है। घरों में आग लगाई जा रही है। दुकानों को लूटा जा रहा है। इस बीच बांग्लादेश के मेहरपुर इस्कॉन मंदिर की तस्वीरें सामने आई हैं। दंगाइयों ने तोड़फोड़ करने के बाद इस मंदिर को आग के हवाले कर दिया।

बांग्लादेशी मीडिया द डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक, 27 जिलों में हिंदुओं के घरों और दुकानों को निशाना बनाया गया है। कीमती सामान को लूटा गया है। मंदिरों पर भी हमले किए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, लालमोनिरहाट सदर उपजिले में धार्मिक हिंदू कार्यों से जुड़े पूजा समिति के सचिव प्रदीप चंद्र रॉय के घर में तोड़फोड़ और लूटपाट की गई है। दंगाइयों ने नगरपालिका सदस्य मुहिन रॉय की कंप्यूटर दुकान में भी तोड़फोड़ करने के साथ लूटपाट की है।

कालीगंज उपजिला के चंद्रपुर गांव में 4 हिंदू परिवारों के घरों में तोड़फोड़ और लूटपाट की गई है। हातिबंधा उपजिला के पुरबो सरदुबी गांव में 12 हिंदुओं के घरों में आग लगा दी गई है।

### बांग्लादेश में संसद भंग, पूर्व पीएम खालिदा जिया रिहा

बांग्लादेश में हिंसा के बीच राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने संसद को भंग कर दिया है। साथ ही देश की पूर्व पीएम खालिदा जिया को भी रिहा कर दिया गया है। मंगलवार को बांग्लादेश में प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने 3 बजे तक संसद भंग करने का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही अंतरिम सरकार के लिए नामों का प्रस्ताव देंगे। दूसरी तरफ भारत सरकार ने मंगलवार सुबह 10 बजे सर्वदलीय बैठक की। इस दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, भारत आने के बाद से पीएम हसीना सदमे में हैं। सरकार बात करने से पहले उन्हें कुछ समय दे रही है। वे भविष्य को लेकर खुद फैसला लेंगी।

# राजदूतों और हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करें वहां की एजेंसियां

- संसद में विदेश मंत्री एस जयशंकर बोले-हम ढाका प्रशासन के संपर्क में हैं

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बांग्लादेश के ताजा हालात पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को राज्यसभा में बयान दिया। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश राजनीतिक संकट से जूझ रहा है। वहां के हालात पर भारत सरकार की नजर है।

जयशंकर ने आगे कहा कि बांग्लादेश में लोग सड़कों पर हैं। वहां हिंदुओं को निशाना बनाया गया है। यह चिंता की बात है। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर भी हमला किया, जिसके बाद हालात बिगड़े। उन्होंने यह भी बताया कि इस्तीफे के बाद शेख हसीना ने भारत आने की इजाजत मांगी थी। इसके बाद भारत सरकार ने उनके आने की व्यवस्था की। विदेश मंत्री ने आगे कहा कि भारत सरकार बंग्लादेश में अपने नागरिकों के संपर्क में है।

**केंद्र से राहुल के 3 सवाल, विदेश मंत्री ने सभी के दिए जवाब –** संसद भवन में हुई सर्वदलीय बैठक में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सरकार से बांग्लादेश के संकट में विदेशी दखलंदाजी से जुड़े सवाल किए हैं। राहुल ने सरकार से मामले में भारत का स्टैंड पूछा है। इस पर सरकार ने बताया कि वह बांग्लादेश के हालात से जुड़े हर पहलू पर नजर बनाई हुई है। वह लगातार वहां की आर्मी के संपर्क में है। विदेश मंत्री जयशंकर ने सभी पार्टी के नेताओं से मामले में समर्थन की अपील की है। राहुल ने केंद्र सरकार से कुल 3 सवाल किए। उन्होंने दूसरा सवाल पूछा कि क्या भारत सरकार को बांग्लादेश में हो रही घटना की आशंका थी। इस पर विदेश मंत्री ने जवाब दिया कि भारत स्थिति पर नजर रख रहा है। फिर राहुल ने पूछा कि बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के असर से निपटने के लिए शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म के लिए भारत सरकार की क्या रणनीति है। विदेश मंत्री ने इसका जवाब दिया।

## सुप्रभात

कभी उसकी आँखों में
एक कौंध दिखी थी
उसी ने बाँधे रखा हमें बरसों
कि बाक़ी अँधेरे हम सोचते रहे एक दिन
उस चमक के आगे काफ़ूर हो जाएँगे
या निकल आएगा उनका
कोई उज्ज्वल समाधान
लेकिन जैसा कि कहा
गया है पत्थर हमेशा
पत्थर की तरह जीवन जीना चाहता है
और चींटी चींटी की तरह
जैसे एक सच्चा चित्रकार या गायक
चित्रकार और गायक की तरह
फिर हम ही एक दिन
इस इंतज़ार से थक जाते हैं कि आख़रि
वह कब तक बाज़ नहीं आएगा
और वैसा प्यार या बर्ताव करेगा
जिसकी उम्मीद उस
कौंध से पैदा हुई थी
मुमकिन है कि उसे भी
वैसी ही कोई चमक मुझमें दिखी हो
किसी दुर्निवार प्रेम या पागलपन की
या अँधेरे जल में गिरती रोशनी की
और अब उसे न राख दिखती हो
और न ही पानी में कोई छाया।

– कुमार अंबुज

# आर्मी के जवानों के लिए आईआईटी इंदौर ने बनाए खास जूते

- हर एक कदम पर बनेगी बिजली, ट्रेस भी किए जाएंगे सेना के जवानों

**इंदौर (एजेंसी)।** आईआईटी इंदौर ने फौजियों के लिए नवाचारी तकनीक से खास जूते तैयार किए हैं। इन जूतों को पहनकर चलने से न केवल बिजली बन सकती है, बल्कि वास्तविक समय में सैन्य कर्मियों की लोकेशन का भी पता लगाया जा सकता है। आईआईटी के अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आईआईटी इंदौर ने डीआरडीओ को ऐसे जूतों के 10 जोड़ों की पहली खेप मुहैया भी करा दी है। उन्होंने बताया कि इन जूतों को आईआईटी इंदौर के प्रोफेसर आईए पलानी के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है।

# सीएम यादव बोले-55 जिलों को जल्द मिलेंगे प्रभारी मंत्री

## स्वतंत्रता दिवस के पहले डेढ़ करोड़ घरों में तिरंगा लगाएंगे बीजेपी कार्यकर्ता

**भोपाल (नप्र)।** 15 अगस्त के पहले बीजेपी हर घर तिरंगा अभियान चलाएगी। 11 अगस्त से प्रदेश भर में तिरंगा रैलियां निकाली जाएंगी। सीएम डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित जिला अध्यक्षों, प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक में बीजेपी नेताओं से कहा कि आप लोग यह सुनिश्चित करें कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवार, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और समाज के विशिष्ट जनों, प्रतिभाओं को आमंत्रण पहुंच जाए।

हम भी शासन स्तर से प्रयास कर रहे हैं, और आप भी अपने स्तर पर देखिएगा कि जिला प्रशासन के माध्यम से अतिथियों को ठीक से आमंत्रण पहुंच जाएं। यह कार्यक्रम केवल सरकारी ना हो, समाज और सरकार यानि सबका हो। बहुत जल्दी आपको बहुत प्रभारी मंत्री मिलेंगे जो 55 जिलों में झंडा वंदन करने जाएंगे। प्रभारी मंत्री झंडा वंदन करें तो समाज का सहयोग वहां नजर आए।

**फसलों का सर्वे करने वॉलेंटियर पंचायतों में नियुक्त होंगे–** सीएम ने कहा-अब तक पटवारी के माध्यम से फसलों का सर्वे होता था लेकिन हमने यह तय किया है कि पंचायत में यदि फसल का नुकसान होता है तो उसके सर्वे को डिजिटल करने जा रहे हैं। पंचायत में दो कार्यकर्ता डिजिटल कार्य करने के लिए नियुक्त किए जाएंगे। वे अपने मोबाइल से फोटोग्राफी करके शासन को रिपोर्ट देंगे, ताकि नुकसान होने पर किसान को क्षतिपूर्ति राशि समय से मिल सके। उसमें किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो।

### सीएम बोले–पड़ोसी देशों की हालत हम सब देख रहे हैं

सीएम ने कहा हमारे लिए 15 अगस्त और 26 जनवरी के दो महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व विशेष होते हैं। आगामी स्वतंत्रता दिवस पर हाथ में तिरंगा झंडा लेकर जब हम पूरे समाज को जागृत करेंगे। तो इसकी महत्ता और ज्यादा बढ़ जाती है। अगल-बगल के देशों को देखें तो हमारे साथ और हमारे बाद आजाद हुए देशों के लोकतंत्र की हालत क्या हो गई है। दो दिन पहले का बांग्लादेश का घटनाक्रम हमारे सामने है। बगल का पाकिस्तान 14 अगस्त को आजाद हुआ उसके बगल में श्रीलंका की हालत देखी। इनकी ऐसी हालत इसलिए हो रही है क्योंकि उसके साथ समाज में इस प्रकार की चेतना जागृत करने के लिए ऐसे राष्ट्रवादी दलों का अभाव हुआ और उनकी दुर्दशा हुई और हमारे लिए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 2014 में जिस प्रकार से पूर्ण बहुमत की सरकार बनी और आजादी के बाद चुनाव हुआ और तीसरी बार सरकार बनी आजादी के बाद नेहरू जी की सरकार का रिकॉर्ड तोड़ने का काम किया।

गोल्ड की महक

# पेरिस में नीरज चोपड़ा का 'बाहुबली' अवतार

- **पहले ही थ्रो में मारा 89.34 मीटर का थ्रो, पहुंचे फाइनल में**

**पेरिस (एजेंसी)।** भारत के गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा ने क्वालिफिकेशन राउंड में 89.34 मीटर का थ्रो फेंक कर फाइनल में अपनी जगह बना ली है। ऐसे में नीरज अब फाइनल में गोल्ड मेडल के लिए भाला फेकेंगे। नीजर क्वालिफिकेशन राउंड में पहले नंबर पर थ्रो फेंकने आए थे। नीरज ने पहले ही थ्रो में 89.34 का थ्रो मारकर फाइनल में एंट्री मार ली। इस तरह भारत का यह स्टार फाइनल में अपने गोल्ड मेडल को डिफेंड करेंगे। नीरज का ये थ्रो उनका सीजन बेस्ट भी रहा। इसके अलावा वह पर्सनल बेस्ट के करीब भी पहुंच गए। वहीं अब उम्मीद है कि फाइनल में नीरज चोपड़ा 90 मीटर की बाधा को पार करने की कोशिश करेंगे। वहीं, पाकिस्तान के अरशद नदीम ने भी अपने पहले ही थ्रो में फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। उन्होंने 86.59 मीटर का थ्रो किया, जो उनका सीजन का बेस्ट थ्रो रहा। अब भारत के नीरज से उनकी फाइनल में भिड़ंत होगी। दूसरी ओर, नीरज चोपड़ा के साथी किशोर जेना ग्रुप-ए में थे। उन्होंने 80.73 मीटर का थ्रो किया और अपने ग्रुप में 9वें नंबर पर रहे। वह फाइनल की दौड़ से बाहर हो चुके हैं। पहले राउंड में नीरज

चोपड़ा सबसे टॉप रहे। इस तरह नीरज और नदीम बाकी को प्रयास के लिए नहीं आएंगे। बता दें कि भाला फेंक के इस प्रतियोगिता के लिए क्वालिफिकेशन के लिए कम से कम 84 मीटर का थ्रो करना जरूरी था। सभी भाला फेंक एथलीट को 84 मीटर भाला फेंकने के लिए तीन मौके मिलते। हालांकि, जो खिलाड़ी पहले ही प्रयास में इस दूरी को हासिल कर लेता है उसके बाकी के दो अटेंप्ट नहीं करने होते हैं। यही कारण है कि नीरज चोपड़ा और अरशद नदीम ने बचे हुए प्रयास में हिस्सा नहीं लिया। भाला फेंक प्रतियोगिता के फाइनल में नीरज चोपड़ा के लिए चुनौती बिल्कुल भी आसान नहीं होने वाली है। फाइनल में उनकी टक्कर ग्रुप ए से क्वालीफाई करने वाले जूलियन बेवर से होगी। उन्होंने क्वालिफिकेशन में 87.76 मीटर का थ्रो फेंका था। हालांकि, ग्रुप में भी नीरज चोपड़ा के बराबर किसी ने दूरी हासिल नहीं की, लेकिन इसके बावजूद उन्हें कड़ी टक्कर मिलेगी। ग्रुप ए में जूलियन बेवर के अलावा जूलियस येगो ने 85.97 मीटर का थ्रो फेंका और दूसरे स्थान पर रहते हुए उन्होंने क्वालीफाई किया। वहीं तीसरे वाल्डेज याकूब रहे जिन्होंने 85.63 मीटर दूर भाला फेंका। इसके अलावा टोनी केरानन ने 85.27 मीटर थ्रो कर फाइनल में जगह बनाई।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 38.5 °c | न्यूनतम 33°c

# सुबह सवेरे

इंदौर ■ बुधवार,07 अगस्त 2024

> जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
>
> चाणक्य नीति

## संक्षिप्त समाचार

### बिहार से राजस्थान तक फिर 'धूम' मचाएंगे बदरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत मौसम विभाग ने ताजा बुलेटिन में कहा है कि बिहार से लेकर उत्तर प्रदेश होते हुए पश्चिमी राजस्थान तक एक नया मौसमी तंत्र बना हुआ है। इससे कई राज्यों में भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, राजस्थान के ऊपर बना निम्न दाब का केंद्र भले ही अब कमजोर

पड़ गया है लेकिन इस नए मौसमी तंत्र के कारण राजस्थान के कई इलाकों में सोमवार से ही भारी बारिश हो रही है। हालांकि, आईएमडी ने पहले ही इसका अनुमान जताया था और राजस्थान समेत गुजरात और दूसरे सटे राज्यों के लिए रेड अलर्ट जारी किया था। आईएमडी ने ताजा बुलेटिन में कहा है कि राजस्थान के अलग-अलग इलाकों में बारिश का दौर आगे भी जारी रह सकता है।

### हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ 'सुप्रीम' शरण में बंगाल सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में कई जातियों का ओबीसी दर्जा खत्म करने वाले हाई कोर्ट के फैसले को राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इस पर सोमवार को सुनवाई हुई, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इस दौरान बंगाल

सरकार के वकील ने उच्च न्यायालय पर ही तीखा हमला बोल दिया। ओबीसी कोटे को लेकर बनी जातिवार सूची पर उच्च न्यायालय की तीखी टिप्पणियों पर राज्य सरकार ने ऐतराज जताया। यही नहीं दलीलों के दौरान बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि क्या उच्च न्यायालय ही राज्य को चलाना चाहता है। बंगाल से इंदिरा जयसिंह ने पैरवी की।

**महाराष्ट्र की सियासत**

### पूर्व सांसद ने कांग्रेस के 'अजेय' नेता के सामने ठोंकी ताल

मुंबई (एजेंसी)। लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र की अहमदनगर लोकसभा सीट से चुनाव हारे बीजेपी के पूर्व सांसद सुजय विखे पाटिल ने विधानसभा के लिए ताल ठोंक दी है। सुजय विखे पाटिल अहमदनगर सीट पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) की पार्टी के

कैंडीडेट नीलेश लंके से हार गए थे। बीजेपी के कद्दावर नेता राधाकृष्ण विखे पाटिल के बेटे सुजय पाटिल ने विधानसभा चुनाव लड़ने की इच्छा जताकर महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। सुजय विखे पाटिल ने शिरडी लोकसभा क्षेत्र में आने वाली संगमनेर विधानसभ सीट से लड़ने का ऐलान किया है। इस सीट से अभी कांग्रेस के दिग्गज नेता बालासाहब थोराट विधायक हैं। थोराट इस सीट पर पहली बार निर्दलीय जीते थे।

# वकील को किडनैप कर रातभर घुमाते रहे बदमाश

## 30 लाख अरेंज करने को कहा, एक लाख ट्रांसफर किए; पुलिस ने घेरा तो छोड़कर भागे

**विदिशा (नप्र)।** जैसे ही मैंने कार रोकी, तीन लोग गाड़ी में घुस आए। हथियार दिखाकर मेरे हाथ-पैर बांध दिए। आंखों पर तौलिया बांधकर मुझे पिछली सीट पर पटक दिया। गाड़ी सड़क पर दौड़ाते रहे। इस दौरान मेरा एटीएम कार्ड, मोबाइल और गले से चेन छीन ली। मारपीट करते हुए फोन पे से 1 लाख रुपए ट्रांसफर कर लिए। वे बोल रहे थे कि कहीं से भी 30 लाख रुपए की व्यवस्था कर, नहीं तो तुझे और पत्नी-बच्चों को जान से खत्म कर देंगे। तेरे घर के सामने हमारी एक गाड़ी खड़ी है।

यह बयान विदिशा जिले के गंजबासौदा में रहने वाले एडवोकेट मुकेश रघुवंशी ने पुलिस को दिया है। शनिवार रात को तीन बदमाशों ने उन्हें किडनैप कर लिया था। रातभर उनके साथ मारपीट करते रहे। पुलिस से घिरने के बाद रविवार सुबह भोपाल के बाग सेवनिया थाने के पास छोड़कर उनकी कार लेकर फरार हो गए। मामले में पुलिस ने तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। उनकी तलाश में सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं।

**पहचान वाले युवक ने मांगी थी लिफ्ट-** एडवोकेट मुकेश रघुवंशी शनिवार रात सवा 12 बजे गंजबासौदा में बरेठ प्लाजा स्थित ऑफिस को बंद करने के बाद कार से घर के लिए रवाना हुए थे। इससे पहले उनकी जान-पहचान वाले एक युवक ने उनसे इमली चौराहे तक लिफ्ट मांगी थी। जैसे ही युवक कार से उतरा, तीन नकाबपोश बदमाशों ने रघुवंशी को उनकी ही कार में किडनैप कर लिया।

रास्ते में उनके मोबाइल से परिजन को मैसेज कराया कि इमरजेंसी में कहीं जा रहा हूं। जल्द वापस लौटूंगा। इसके बाद मोबाइल बंद कर दिया। जब परिजन ने मोबाइल पर कॉल किया तो संपर्क नहीं हुआ। इसके बाद वे पुलिस के पास पहुंचे।

**एटीएम कार्ड से ट्रैस हुई लोकेशन-** रघुवंशी के मित्र और पूर्व पार्षद रोहित भावसार ने बताया कि बदमाशों ने रघुवंशी के मोबाइल से एक लाख रुपए ट्रांसफर कर लिए थे। वे एटीएम से 30 लाख रुपए निकालना चाहते थे, लेकिन एटीएम से इतना भुगतान नहीं हो पा रहा था। इसी एटीएम कार्ड के जरिए पुलिस की साइबर सेल ने उनकी लोकेशन ड्रेस कर ली। बदमाश भी इस बात को समझ गए थे इसीलिए रघुवंशी को गाड़ी से बाहर फेंककर भाग गए।

रघुवंशी ने बताया- प्रयाग पंथी पिछले कुछ समय से एक केस के संबंध में मुझसे संपर्क में था। शनिवार रात को वह मेरे पास आया था। बातचीत के बाद मैंने कहा- ठीक है, अब निकल जाओ। वह बोला- बारिश हो रही है, मुझे लिफ्ट दे दीजिएगा। रात करीब सवा 12 बजे हम निकले। रास्ते में प्रयाग ने कहा- खिरनी के पेड़ के पास मेरा भाई खड़ा है, मुझे वहीं उतार देना।

उसकी बताई जगह पर मैंने गाड़ी रोकी। वह उतरा ही था कि तीन नकाबपोश गाड़ी में घुस आए। रातभर मारपीट करते हुए मुझे यहां से वहां घुमाते रहे। मुझे कोई जानकारी नहीं थी कि वे कहां लेकर जा रहे हैं।

इसी दौरान सुनाई दिया कि टोल प्लाजा आ गया है। यहां से पैसे देकर आराम से निकलना है। गाड़ी रुकते ही मैं बचाओ-बचाओ चिल्लाने लगा। उन्होंने तेजी से गाड़ी दौड़ा दी। आगे जाकर पिस्टल की बट से मुझे मारा। चाकू भी घोंपा। इसके बाद किसी सुनसान जगह ले जाकर गाड़ी रोकी। यहां पर भी बेरहमी से मुझे पीटा।

मुझे लगा कि अब जिंदा बच नहीं पाऊंगा। वे जान से मार देंगे। उन्होंने गाड़ी स्टार्ट कर सड़क पर बढ़ा दी। बदमाश कुछ और लोगों के संपर्क में थे। वे जहां भी रुकते, फोन पर उनसे बातें करते। फिर गाड़ी बढ़ा देते। इस दौरान उन्होंने मेरा फोन ऑन रखा था।

उन्होंने घर पर मेरी बात कराई। घरवालों ने कहा- तुम कहां हो? सब लोग परेशान हो रहे हैं। घर पर पुलिस आ गई है।

# बीजेपी ऑफिस में प्रभात झा को दी गई श्रद्धांजलि

## सीएम मोहन यादव, वीडी शर्मा, सिंधिया, शिवराज ने किया झा को याद

**भोपाल (नप्र)।** बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रभात झा को आज भोपाल में भाजपा के प्रदेश कार्यालय में श्रद्धांजलि दी जा रही है।

श्रद्धांजलि सभा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, सह प्रभारी सतीश उपाध्याय मौजूद हैं।

इसके अलावा डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल, जगदीश देवड़ा, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विश्वास सारंग, संपतिया उईके, राकेश सिंह, गोविंद सिंह राजपूत, प्रद्युम्न सिंह तोमर, तुलसी सिलावट, पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी सहित भाजपा विधायक, मंत्री और नेता मौजूद हैं।

# महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस काटेगी पांच विधायकों का टिकट

● विधान परिषद चुनाव में की थी क्रॉस वोटिंग, सीट बंटवारे पर आज मीटिंग

**मुंबई (एजेंसी)।** महाराष्ट्र में विधान परिषद के चुनाव में क्रास वोटिंग करने वाले कांग्रेस के 5 विधायकों का विधानसभा चुनाव में टिकट काटेगा। सूत्रों के अनुसार इनके बदले पार्टी नए चेहरों को मौका देगी। हालांकि कांग्रेस की ओर से इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। सूत्रों के अनुसार टिकट कटने वाले विधायकों में सुलभा खोडके, झिशान सिद्दीकी, हिरामन खोसकर, जितेश अंतापूरकर, मोहन हंबर्डे शामिल हैं। महाराष्ट्र में विधान परिषद (एमएलसी) के चुनाव में कांग्रेस के 7 से 8 विधायकों के क्रॉस वोटिंग करने की खबर सामने आई थी। यह खबर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी (एमवीए) की बैठक से एक दिन पहले आई है। 7 अगस्त को सीट शेयरिंग का फॉर्मूला और अन्य पहलुओं पर एमवीए की बैठक होनी है। अक्टूबर महीने में महाराष्ट्र में

विधानसभा चुनाव होने हैं। राज्य में विधानसभा की 288 सीटें हैं। महाराष्ट्र में शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन में है। 12 जुलाई को हुए महाराष्ट्र में विधान परिषद के चुनाव में एनडीए गठबंधन ने 11 में से 9 सीटें जीती।

# पूर्वोत्तर में बढ़ने वाली है मोदी सरकार की टेंशन!

● बांग्लादेश बवाल को हल्के में नहीं ले सकता है भारत ● आतंकवाद का और बढ़ेगा खतरा, कट्टरपंथी होंगे हावी!

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बांग्लादेश में हालात बेकाबू हो चुके हैं, जो किसी ने नहीं सोचा था, वो सब कुछ भारत के पड़ोसी मुल्क में इस समय हो रहा है। बड़ी बात यह है कि शेख हसीना अब बांग्लादेश की प्रधानमंत्री नहीं हैं, वे तो जान बचाकर भारत आ चुकी हैं। अब भारत उन्हें शरण देगा या नहीं, अभी इसे लेकर कोई फैसला नहीं हुआ है, लेकिन मोदी सरकार के लिए नई टेंशन शुरू हो चुकी है। बांग्लादेश में जैसे हालात हैं, माना जा रहा है कि कई लोग देश छोड़ेंगे, अब छोड़ेंगे तो कहीं तो शरण लेने के लिए आना पड़ेगा। अब जानकार मानते हैं कि इस सवाल का जवाब बांग्लादेश के कई लोगों के लिए भारत रहने वाला है। यह जवाब ही मोदी सरकार के लिए एक नई चुनौती है क्योंकि अगर ज्यादा बांग्लादेशी भारत में अवैध तरीके से आ जाते हैं तो सुरक्षा से लेकर ड्रग्स की समस्या खड़ी हो जाती है। समझने वाली बात यह है कि भारत और बांग्लादेश 4096.70 किमी की अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं। यहां भी पांच राज्यों के साथ बांग्लादेश की सीमा सीधे रूप से जुड़ी हुई है- असम, बंगाल, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम।

### इतने साल बीत गए, फेंसिंग का काम अधूरा

अब इस सीमा से तस्करी होती है, आतंकी आते-जाते हैं और अवैध घुसपैठ भी काफी आम रहती है। यह कोई अभी की समस्या नहीं है बल्कि जब से बांग्लादेश आजाद हुआ है, सीमा पार से भारत के लिए खतरा बना रहा है। इस खतरे को देखते हुए ही 1986 में भारत सरकार ने सीमा पर बाड़ बनाने का फैसला किया था। लेकिन हैरानी की बात यह है कि इतने सालों बाद भी वो फेंसिंग पूरी नहीं हो सकी है। सरकार का ही आंकड़ा बतात है कि अभी तक सिर्फ 3180.65 किलोमीटर लंबाई पर ही बाड़ लग पाई है। पहले कहा गया था कि इस साल मार्च तक 915 किलोमीटर की सीमा पर फेंसिंग पूरी हो जाएगी, वो काम भी बीच में अटका हुआ है।

### तस्करी का खेल, करोड़ों का अवैध कारोबार

अब एक तरफ फेंसिंग का काम पूरा नहीं हुआ है, वही दूसरी तरफ भारत-बांग्लादेश सीमा से अवैध वस्तुएं जब्त की जा रही हैं। सरकारी आंकड़े मुताबिक पिछले चार सालों में 8500 करोड़ का अवैध सामान इसी सीमा से जब्त किया गया है। यह बताने के लिए काफी है कि भारत-बांग्लादेश की सीमा कितनी संवेदनशील है। बड़ी बात यह भी है कि बांग्लादेश से सबसे ज्यादा अप्रासी पश्चिम बंगाल और असम में आते हैं। कोई आधिकारिक आंकडा़ नहीं है जिससे यह पता चल सके कि कितने बांग्लादेशी अवैध हैं।

# फिर अस्पताल में भर्ती हुए आडवाणी, हालत स्थिर

● पिछले महीने ही हुए थे डिस्चार्ज, अपोलो में चल रहा इलाज

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** डिस्चार्ज होने के करीब एक महीने बाद वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी को मंगलवार को फिर से दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामले से जुड़े सूत्रों के अनुसार, 96 वर्षीय आडवाणी की हालत स्थिर है और उन्हें निगरानी में रखा गया है। आडवाणी को न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. विनीत सूरी की देखरेख में भर्ती कराया गया है। पिछले महीने अपोलो अस्पताल में भर्ती होने से कुछ दिन पहले आडवाणी को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भी भर्ती कराया गया था। आडवाणी 2002 से 2004 तक भारत के उपप्रधानमंत्री तथा 1999 से 2004 तक केंद्रीय गृहमंत्री रहे। मार्च में आडवाणी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनके आवास पर देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया था। इस समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी , रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह , गृह मंत्री अमित शाह और आडवाणी के परिवार के सदस्य शामिल हुए थे। पीएम मोदी ने तीसरी सरकार बनाने से पहले उनसे मुलाकात भी की थी। आडवाणी को इसी साल 30 मार्च को भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।

# एमएससी पास ने एटीएम से चुराए 23 लाख

## मेंटेनेंस कर्मचारी ने पहले पासवर्ड चुराया, फिर 10 मिनट में रुपए ले भागा

**उज्जैन (नप्र)।** उज्जैन के खाचरोद में एटीएम से 22 लाख 93 हजार रुपए से ज्यादा की चोरी के मामले का मास्टरमाइंड मेंटेनेंस कर्मचारी निकला। एमएससी (आईटी) डिग्रीधारी आरोपी ने वारदात को अपने दोस्त के साथ मिलकर अंजाम दिया था। पुलिस ने एफआईआर दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

घटना खाचरोद थाने से महज 500 मीटर दूर बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम में 28-29 जुलाई की दरमियानी रात की है। इसका खुलासा 5 अगस्त को हुआ, जब बैंककर्मी रुपए जमा करने वाली डिपॉजिट मशीन से कैश निकालने पहुंचे। उन्हें डिपॉजिट मशीन के पास लगे एटीएम में कैसेट नहीं मिली। एटीएम गैलरी के सीसीटीवी कैमरों पर काले रंग का स्प्रे लगा था।

**काला हेलमेट और रेनकोट पहनकर घुसे-** उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा

ने बताया, 5 अगस्त को बैंक के ब्रांच मैनेजर नीलकमल पांचाल ने एफआईआर दर्ज कराई थी। बताया था कि एटीएम से पासवर्ड वाला दरवाजा, कैश रखने के चार कैसेट और 22 लाख 93 हजार 100 रुपए चोरी हुए हैं।

सीसीटीवी कैमरे चैक किए तो 28-29 जुलाई की रात एक से दो बजे के बीच दो लोग एटीएम में घुसते दिखे। वे काले रंग का हेलमेट और रेनकोट पहने थे। एक शख्स ने सीसीटीवी कैमरों पर स्प्रे किया जबकि दूसरा मशीन से छेड़छाड़ करता दिखाई दिया। 10 मिनट में ही दोनों काले रंग के बैग में सामान भरकर ले जाते दिखाई दिए।

**कुछ रुपए दोस्त को दिए, बाकी रिश्तेदार के घर छिपाए-** जांच के दौरान साफ हो गया कि जिसने भी चोरी की है, वो एटीएम मशीन के बारे में पूरी जानकारी रखता है। मशीन में कोई तोड़फोड़ नहीं की गई थी। इसे पासवर्ड डालकर खोला गया था। बैंककर्मियों से पूछताछ में पता लगा कि प्राइवेट एजेंसी ने 26 जुलाई को ऋतुराज सिंह को एटीएम के मेंटनेंस के लिए भेजा था।

इस इनपुट के आधार पर पुलिस ने ऋतुराज को हिरासत में ले लिया। पहले तो उसने पुलिस को भ्रमित करने की कोशिश की, लेकिन सख्ती बरतने पर टूट गया। उसने शुभम जोशी के साथ एटीएम में चोरी करने की बात स्वीकार कर ली। उसने बताया कि चोरी की गई रकम में से कुछ रुपए बिना गिने शुभम को दिए थे। बाकी आगर मालवा के नलखेड़ा में अपने रिश्तेदार के घर छिपाए थे।

**मेंटनेंस के दौरान चुपके से देख लिया था पासवर्ड-** ऋतुराज सिंह ने बताया कि वह 26 जुलाई की शाम करीब 5 बजे बैंककर्मियों के साथ मेंटेनेंस के लिए एटीएम गैलरी गया था। इसी दौरान एक बैंककर्मी ने मशीन को खोला था। उसी समय ऋतुराज ने पासवर्ड देख लिया था। बाद में इसे लिखकर रख लिया।इसी पासवर्ड की मदद से 28-29 की रात मशीन खोलकर चोरी को अंजाम दिया।

# घाटी में खत्म हुआ इंतजार, जल्द बनेगी सरकार

## केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने संसद में की घोषणा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने सोमवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में अगले महीने यानी सितंबर में विधानसभा चुनाव होंगे। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश के लोगों से अनुरोध किया कि राज्य में विकास कार्यों को जारी रखने और आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए आगामी चुनावों में भाजपा को वोट दें। उन्होंने कहा कि 5 साल पहले 5 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया था। इसके बाद से जम्मू-कश्मीर में

पाकिस्तान और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई की गतिविधियों पर काफी हद तक अंकुश लगा है।

इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री ने पड़ोसी देश पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी है कि अगर उसने केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवाद का समर्थन किया तो उसका बुरा अंजाम होगा। बता दें कि जी किशन रेड्डी जम्मू-कश्मीर में भाजपा के चुनाव प्रभारी हैं। वह जम्मू के बाहरी इलाके में बाना सिंह स्टेडियम में अनुच्छेद 370 निरस्त होने की पांचवीं वर्षगांठ पर भाजपा द्वारा आयोजित एकात्म महोत्सव रैली को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उनके साथ भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और जम्मू-कश्मीर प्रभारी तरुण चुघ और जम्मू-कश्मीर भाजपा के अध्यक्ष रविंदर रैना भी मौजूद थे।

# सुनीता विलियम्स की वापसी के लिए बचे टोटल '12 दिन'

## इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन को लेकर बढ़ती जा रही टेंशन

**वॉशिंगटन (एजेंसी)।** नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर स्पेस में फंसे हुए हैं। दोनों अंतरिक्ष यात्री बोइंग स्टारलाइनर की पहली उड़ान की टेस्टिंग के लिए रवाना हुए थे लेकिन उनके अंतरिक्ष यान में खराबी आ गई, जिस कारण वह इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में ही फंसे हैं। अब नासा के पास उनकी वापसी के लिए 12 दिनों का समय है। न्यूयॉर्क टाइम्स में रिपोर्ट आई है कि नासा स्पेस स्टेशन में संभावित भीड़ पर नजर रख रहा है। दरअसल अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा 18 अगस्त को 'क्रू-9' मिशन लॉन्च करने वाला है। इस मिशन के जरिए चार अंतरिक्ष यात्री इंटरनेशन स्पेस स्टेशन पर जाएंगे। हालांकि स्पेस स्टेशन का लक्ष्य एक समय में तीन से छह अंतरिक्ष यात्रियों को रखना है।

# इंदौर में बच्चों का चेहरा देखकर बिल्डिंग से कूदी

## रहवासी बोले- लोग वीडियो बनाते रहे; हिम्मत दिखाते तो बच जाती जान

**इंदौर (एजेंसी)।** आसपास करीब 100 लोगों की भीड़ रही होगी। सब अपनी छतों पर खड़े होकर वीडियो बना रहे थे। हमारी बिल्डिंग के लोग दौड़ते हुए छत तक गए, लेकिन उसने किसी की बात नहीं मानी। पति को बार-बार कह रही थी पास मत आना कूद जाऊंगी। पति से एक बार बच्चों का चेहरा दिखाने के लिए कहा। बच्चों का चेहरा देखते ही उसने छलांग लगा दी। नीचे जो लोग खड़े थे, वो वीडियो बनाने की जगह बचाने के लिए जाली या चद्दर ही लगा लेते तो शायद बच जाती। यह कहना है ग्रीन प्री-व्यू कॉलोनी के रहवासियों का। शनिवार शाम अंगूरी बाई ने पति राहुल से विवाद के बाद तीसरे माले पर बनी टंकी से कूदकर सुसाइड कर लिया था। इस घटना का वीडियो रविवार देर शाम सामने आया। महिला यहां अपने दो बच्चे (5 और 3 साल), पति और (दादी - महिला की दादी) के साथ रह रही थी। घटना के बाद इलाके में सन्नाटा पसरा हुआ है। जैसे ही कोई कॉलोनी में घटना या हादसे के बारे में पूछता है, सब सहम जाते हैं।

मृतक- अंगूरी लोधी

### स्कूल में हाउस कीपिंग का काम करती थी महिला

पास के स्कूल में छूट्टी होने के बाद टोली बनाकर घर जा रहे बच्चे भी इसी को लेकर बातचीत कर रहे थे। महिला इलाके के एक प्राइवेट स्कूल में हाउस कीपिंग का काम करती थी। महिला का परिवार इस बिल्डिंग में करीब डेढ़ साल से तीसरे माले पर रह रहा था। पड़ोस की एक महिला ने कहा कि दोनों पति-पत्नी ज्यादा किसी से बात नहीं करते थे। हां, कई बार उनके बीच झगड़े होते थे, लेकिन कभी उसने किसी से इसे लेकर बात नहीं की। एकाध बार कभी परिवार और पैसों को लेकर परेशान होने की बात जरूर कही थी। रहवासियों ने बताया कि घटना वाले दिन राहुल भी काम से जल्दी वापस आ गया था। दोपहर में किसी बात को लेकर विवाद हुआ और शाम में ये घटना हो गई। परिवार महिला की डेड बॉडी लेकर रायसेन जिले के मंडीदीप रवाना हो गया।

### कूदने से पहले बोली– बच्चों का चेहरा दिखा दो

घटना के वक्त छत के तीसरे माले पर मौजूद कुछ रहवासियों ने बताया कि महिला अपने पति से बहुत ज्यादा चिढ़ी हुई थी। वो ऊपर टंकी पर चढ़ने के बाद पति के साथ नहीं रहने की बात कहते हुए रो रही थी। आखिरी बार बच्चों का मुंह दिखाने के लिए चिल्ला रही थी। पत्नी को टंकी पर चढ़ा देख राहुल उसे नीचे उतारने के लिए बच्चों को लेकर पहुंचा। तब भी उसने कहा था कि पास मत आना मैं कूद जाऊंगी। जैसे ही पति ने पकड़ने की कोशिश की उसने छलांग लगा दी।

### पति की हरकतों से थी परेशान

अंगूरी बाई का पति निजी कंपनी में नौकरी करता है। पति शराब पीने का भी आदी है। वह आए मारपीट करता था। प्रारंभिक जांच में ये बात सामने आई है कि इसी से परेशान होकर महिला ने ये कदम उठाया है। राहुल स्कूल से लेट आने पर उसके चरित्र पर शंका भी करता था।

### महिला के गिरते ही सभी भाग गए

बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर में रहने वाले यशवंत कलोरे ने कहा कि घटना के वक्त करीब 100 लोगों की भीड़ थी। सभी वीडियो बना रहे थे। महिला जैसे ही नीचे गिरी सब भाग गए। हमारी बच्ची ने उसे उठाया और अस्पताल ले जाने के लिए चिल्लाया। बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर में रहनी वाली पूजा ने बताया कि भीड़ बहुत थी, लेकिन कोई उन्हें हाथ लगाने नहीं जा रहा था। उनके पति सीढ़ियों से दौड़ते हुए नीचे आए और करीब 2-3 मिनट तक अकेले परेशान होते रहे।

# तीन महीने तक नहीं टूटेंगे न्याय नगर के मकान

## सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट को दिए निर्देश, तीन माह में फैसला करें, अवमानना की प्रोसिडिंग पर जोर न दें

**इंदौर (एजेंसी)।** न्याय नगर संस्था की कृष्णबाग कॉलोनी में बचे 58 मकानों को तोड़ने के मामले में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने रहवासियों को राहत देते हुए रिमूवल की कार्रवाई पर तीन महीने का स्टे दे दिया है। इस दौरान किसी भी प्रकार की तोड़फोड़ नहीं होगी। मंगलवार दोपहर बाद केस में सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता के एडवोकेट पद्मनाभ सक्सेना ने बताया कि सहकारिता विभाग की परमिशन से न्याय नगर संस्था ने श्रीराम बिल्डर को जमीन बेची थी। वह परमिशन सहकारिता विभाग ने वापस ले ली थी। इसी से संबंधित पिटिशन हाई कोर्ट में पेंडिंग है। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट को कहा है कि वह तीन महीने में फैसला करें और अभी यथा स्थिति बनी रहने दें। अवमानना की प्रोसिडिंग पर जोर नहीं दिया जाए।

### यह है मामला

दरअसल, दिसम्बर 2022 और सितम्बर 2023 में हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच द्वारा दिए गए आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका लगाई गई थी, जिस पर मंगलवार को सुनवाई हुई। पिछले माह जिला प्रशासन ने 15 मकानों को जमींदोज किया था। ये वे मकान थे जो उस दिन खाली थे। इनमें से 5 मकान वे हैं जिन पर स्टे था। तब रहवासियों के विरोध और 6 अगस्त को सुनवाई के मद्देनजर कार्रवाई रोक दी थी। प्रशासन ने 7 अगस्त तक लोगों को शिफ्ट होने को कहा था। कॉलोनी के कई लोग मकान खाली करके जा चुके हैं। अब तीन महीने के लिए उन्हें राहत मिल गई है।

# इंदौर नगर निगम फर्जी बिल घोटाले पर ईडी का एक्शन

## ठेकेदारों के ठिकानों से 1 करोड़ रु. जब्त, बैंकों में जमा 3.5 करोड़ रुपए भी सीज

**इंदौर (एजेंसी)।** नगर निगम के फर्जी बिल घोटाले में सोमवार को ईडी ने 22 ठिकानों पर छानबीन की। यह छानबीन मामले में लिप्त ठेकेदारों, निगम अधिकारियों और कर्मचारियों के यहां की गई। मदीना नगर में रहने वाले ठेकेदारों के घरों और उनके ऑफिस में की गई छानबीन में 1 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि जब्त की गई। इसी कड़ी में इनके सहित अन्य आरोपियों की एफडी, बैंकों में जमा राशि 3.5 करोड़ की राशि फ्रीज की गई। इसके अलावा घोटाले और प्रॉपर्टी संबंधी दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस जब्त किए। खास बात यह कि ईडी की एंट्री से अब इसमें लिप्त आरोपी अधिकारियों के परिवारों और उनके रिश्तेदारों में भी काफी हड़कंप मचा हुआ है। दरअसल केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के दौरान काफी दस्तावेज जब्त करने और बैंक खाते सीज करने का दावा किया था। इसके बाद अब ईडी की कार्रवाई में नकद जब्ती, बैंक राशि, प्रॉपर्टी को लेकर चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। छानबीन में अभी और खुलासे होने की उम्मीद है। सूत्रों के मुताबिक अभय राठौर और आरोपी अनिल कुमार गर्ग के ठिकानों कोई खास नहीं मिला जबकि मदीना नगर में ठेकेदार मोहम्मद जाकिर, मोहम्मद साजिद, मोहम्मद सिद्धिकी की अलग-अलग कंपनियों के नाम से फर्जी बिल पास कर करोड़ों का चूना लगाया था। इनमें ग्रीन कंस्ट्रक्शन, निवा कंस्ट्रक्शन, किंग कंस्ट्रक्शन आदि हैं। निगम में ड्रेनेज के काम से इन कंपनियों के नाम फर्जी बिल लगाए गए थे। अब ईडी की छानबीन में मदीना नगर के ठिकानों पर ज्यादा नकदी और प्रापर्टी मिलने की सूचना है। आरोपी ऑडिटर अनिल कुमार गर्ग के बारे में पता चला है कि एक फाइल पर साइन करने की खासी राशि ली जाती थी। मंगलवार को भी कुछ ठिकानों पर छानबीन जारी है। दूसरी ओर इस मामले में पिछले हफ्ते चालान पेश किया। इसमें एक भी बड़े अधिकारी को आरोपी नहीं बनाया गया जबकि फर्जी दस्तावेजों में अपर कमिश्नर स्तर तक के अधिकारियों की साइन थी। जांच में उसे फर्जी बताया गया। इसे लेकर प्रदेश कांग्रेस ने ट्वीट कर तंज कसा है

कांग्रेस का तंज; छोटी मछलियां नहीं, बड़े-बड़े मगरमच्छों को भी पकड़ना

प्रदेश प्रवक्ता केके मिश्रा ने लिखा है कि इंदौर नगर पालिक निगम में करीब 150 करोड़ के हुए फर्जी बिल घोटाले में अब आज के भगवान ईडी का भी मंगल प्रवेश... हे प्रभु अब आप आदर पूर्वक पधार ही गए हो तो सादर आग्रह है कि कृपापूर्वक छोटी-छोटी मछलियां नहीं, बड़े-बड़े मगरमच्छों को भी पकड़ना। लोक हित में एक विशेष आग्रह और... यदि हाथ लगा कोई बड़ा मगरमच्छ भाजपा की वाशिंग मशीन में धुलकर उज्ज्वल होने की कोशिश भी करे तो उसे क्लीन चिट मत दे देना.....।

# इंदौर में पुलिस ने कांग्रेसियों को खदेड़ा

## सुरक्षाकर्मियों से भिड़े जीतू पटवारी, 10 मिनट चली खींचतान; मीडियाकर्मी घायल

**इंदौर (एजेंसी)।** इंदौर में नगर निगम में फर्जी बिल समेत कई घोटालों के खिलाफ कांग्रेस ने मंगलवार को प्रदर्शन किया। धरने के बाद कांग्रेसियों ने निगम मुख्यालय में घुसने की कोशिश की। कुछ कार्यकर्ता बैरिकेड फांदकर अंदर घुसने लगे। पुलिस ने वाटर कैनन चलाकर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा। इसमें कुछ कार्यकर्ता और मीडियाकर्मी घायल हो गए। पुलिस बल के साथ कांग्रेसियों की भिड़ंत 10 मिनट चली। उसके बाद प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, प्रदेश सहप्रभारी एवं सांसद कुलदीप इंदौरा ने प्रदर्शन स्थल पर ही एडीएम रोशन रॉय को मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा।

### पटवारी ने कहा– चलो कमिश्नर ऑफिस.., तब उग्र हुए कार्यकर्ता

जीतू पटवारी ने धरना स्थल पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नगर निगम में घोटालों का मुद्दा उठाया। उन्होंने जांच पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस मामले में संभागायुक्त इंदौर से मिलने चलते हैं। जैसे ही

कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे, पुलिस ने बैरिकेड लगाकर रोक दिया।

### दोनों अध्यक्षों का निलंबन खत्म, प्रदर्शन में शामिल हुए

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के गांधी भवन की खातिरदारी करने पर सस्पेंड किए गए दोनों कांग्रेस अध्यक्षों सुरजीतसिंह चड्ढा और सदाशिव यादव को बहाल कर दिया गया है। दोनों प्रदर्शन के लिए लगाए गए मंच पर नजर आए।

### पीसीसी चीफ ने एडीएम राय को ज्ञापन सौंपा

प्रदर्शन के बाद पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने एडीएम राय को ज्ञापन सौंपा। इससे पहले पुलिस फोर्स ने वाटर कैनन का इस्तेमाल कर सभी कांग्रेसियों को खदेड़ा। इसके बाद एडीएम राय बैरिकेड के नजदीक पहुंचे और ज्ञापन लिया। पटवारी के साथ स्थानीय कांग्रेस नेता भी मौजूद थे।

### वाटर कैनन की चपेट में आया एक युवक घायल

प्रदर्शनकारियों को निगम कैम्पस में घुसने से रोक रही वाटर कैनन के कारण एक युवक को चोट आई। वह बैरिकेड से टकराकर नीचे गिर गया। उसके सिर में चोट लगी है। सुरक्षाकर्मी उसे तत्काल एम्बुलेंस के पास लेकर दौड़े। घायल युवक मीडियाकर्मी बताया जा रहा है।

### वाटर कैनन चलाकर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा

प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसी बैरिकेड्स के पास पहुंचकर सुरक्षाकर्मियों से हुज्जत करने लगे। कुछ कांग्रेसी बैरिकेड्स से कूदकर नगर निगम की ओर बढ़े। यह देखकर पुलिस ने वाटर कैनन चला दी। इससे वहां प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसी भागने लगे।

प्रदर्शन स्थल पर आने से पहले सुबह जीतू पटवारी ने जिले के सांवेर स्थित श्री उल्टे हनुमान के दर्शन किए। उन्होंने कहा कि दर्शन कर प्रदेशवासियों की खुशहाली के लिए कामना की है। उल्टे हनुमान के दर्शन करने के बाद पटवारी पदर्शन में शामिल हुए।

# दूसरी मंजिल से गिरा 2 साल का मासूम

## सिर में चोट आने से दो दिन बाद दम तोड़ा

**इंदौर (एजेंसी)।** इंदौर के खजराना में रहने वाला 2 साल का मासूम दूसरी मंजिल से नीचे गिर गया। हादसे में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम किया है।खजराना पुलिस के मुताबिक बच्चे का नाम अक्षांश पुत्र रामसागर परिया निवासी रामकृष्ण बाग कॉलोनी है। मासूम 3 अगस्त की शाम को दूसरी मंजिल की बालकनी से झांक रहा था। इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ा और वह नीचे गिर गया। उसके सिर में गंभीर चोट आई थी। उसे परिजन तत्काल अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टरों ने उपचार शुरू कर दिया। लेकिन दो दिन के उपचार के बाद सोमवार की शाम उसकी मौत हो गई।पिता ने बताया कि उनका एक साढ़े चार साल का बेटा नव्यांशु उसकी मां और बेटा अक्षांश बालकनी में बैठे थे। पत्नी अक्षांश को बालकनी में छोड़कर अंदर चली गई। इसी दौरान बच्चा वहां से गिर गया। नीचे पड़ोसियों ने आवाज दी तो पत्नी को आवाज की घटना की जानकारी लगी। अक्षांश के पिता राम सागर निजी अस्पताल के नर्सिंग स्टॉफ हैं। वह मूल रूम से राजस्थान के रहने वाले हैं।

### तीन साल का बच्चा भी फर्स्ट फ्लोर से गिरा

आजाद नगर में भी एक 3 साल का बच्चा मोहम्मद नुमान पुत्र सईद निवासी गोल चौराहे के पास भी पहली मंजिल से सोमवार शाम नीचे आ गिरा। उसे उपचार के लिये एमवाय अस्पताल लेकर आया गया। बच्चे के चेहरे और सिर पर चोट लगी है।

# कोटा के कोचिंग टीचर पर इंदौर में केस

## छात्रा की शिकायत पर नौकरी गई, पत्नी पर बनाने लगा रुपए लाने का दबाव, जमीन पर पटक कर पीटा

**इंदौर (एजेंसी)।** कोटा के नामी कोचिंग में पढ़ा चुके सीनियर प्रोफेसर के खिलाफ इंदौर में उनकी पत्नी ने मारपीट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कराया है। पति के डर के चलते पत्नी रातों रात निजी कार से ड्राइवर को लेकर इंदौर आ गई। यहां परिवार को पूरी घटना बताई और पति के खिलाफ थाने जाकर शिकायत कर दी। पलासिया पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक नेहा शर्मा, निवासी गोयल नगर की शिकायत पर प्रवीण शर्मा निवासी श्रीनाथ पुरम कोटा के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पीड़िता वर्तमान में अपने मामा के यहां रह रही है।

11 जून 2009 को इंदौर में प्रवीण से शादी की थी। प्रवीण उज्जैन के रहने वाले हैं और कोचिंग पढ़ाने का काम करते हैं। इसके चलते दिल्ली, इंदौर,बड़ौदा, राजकोट में रहे। अभी सीकर में एक कोचिंग क्लास में पढ़ा रहे हैं। हर शनिवार पति छुट्टी होने पर कोटा स्थित घर आते हैं। नेहा ने बताया कि उनके पति के खिलाफ कोटा की कोचिंग में छात्रा ने शिकायत की थी। इसके चलते उन्हें कोचिंग से निकाल दिया गया था। इसके बाद वह सीकर की एक कोचिंग में पढ़ाने लगे। कोटा में कोचिंग से निकाले जाने से पति तनाव में रहते थे। वह बोलते थे कि उस लड़की से मेरा समझौता करवा दे। इस बात को लेकर प्रताड़ित करते। कारोबार करने का कहकर मायके से रुपए लाने का दबाव बनाते। कहते कि नौकरी नहीं करेंगे। ना ही बच्चों की देखरेख कर उनके रहने की व्यवस्था करेंगे।

इस बात को लेकर विवाद हुआ। पति ने 22 जुलाई 2024 को विवाद किया और घर से निकालने लगे। बुरी तरह से मारपीट की। पति ने सारी हद पार करते हुए बाल पकड़कर बुरी तरह से कई बार जमीन पर पटका।नेहा ने बताया कि उसकी आवाज सुनकर बेटी और बेटा कमरे से बाहर आ गए। पति ने धमकाते हुए कहा कि उसकी किसी तरह की बात टाली तो जान से खत्म कर देंगे। पति के इस तरह के व्यवहार से काफी डर गई। आरके पुरम थाने पहुंची। लेकिन एफआईआर नहीं लिखाई। शरीर पर इतनी चोट थी कि चलते-फिरते नहीं बन रहा था। चोट की फोटो मोबाइल से खींचकर अपने पास रख ली। इसके 10 दिन बाद मामा विनोद को कॉल कर जानकारी दी। कोटा में ड्राइवर की तलाश कर बेटे और बेटी को लेकर मामा विनोद के घर आ गई। पति इंदौर आए और उसी बात पर फिर से विवाद कर यहां से अपने साथ कार लेकर चले गए।

# खजराना गणेश मंदिर इंदौर का मास्टर प्लान तैयार

## धूप और बारिश से बचाव के लिए बनेगा रैंप और शेड, योग सेंटर भी खुलेगा

**इंदौर (एजेंसी)।** खजराना गणेश मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा और उन्हें धूप और बारिश से बचाव के लिए रैंप और शेड बनाया जाएगा। बच्चों के लिए ग्राउंड, योग सेंटर के साथ ही परिसर के सभी मंदिरों का सौंदर्यीकरण भी किया जाएगा। इसके लिए मास्टर प्लान तैयार है और जल्द ही काम शुरू होने की उम्मीद है। मंदिर में चांदी की मूर्ति पर अभिषेक-पूजन के लिए सौ रुपए शुल्क लेने का विचार चल रहा है।

सोमवार को गणेश मंदिर प्रबंध समिति की बैठक कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में हुई। इसमें मास्टर प्लान पर चर्चा की गई। 7 सितंबर से शुरू होने वाले 10 दिनी गणेश चतुर्थी महोत्सव की तैयारियों के संबंध में भी चर्चा की गई। महोत्सव ध्वजा पूजन के साथ प्रारंभ होगा। भगवान श्रीगणेश का स्वर्ण आभूषणों के साथ विशेष शृंगार किया जाएगा। मंदिर को फूलों एवं विद्युत रोशनी के साथ विशेष रूप से सजाया जाएगा। सवा लाख मोदक का भोग लगाया जाएगा। बैठक में मंदिर के पुजारी पं. मोहन भट्ट, पं. अशोक भट्ट, अरविंद बागड़ी, बालकिशन छावछरिया (बल्लू अग्रवाल) मौजूद थे।

### गणेश चतुर्थी महोत्सव और नवदुर्गा उत्सव की भी तैयारी

बैठक में मंदिर प्रशासक नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित अशोक भट्ट अन्य पुजारी, मंदिर प्रबन्धक घनश्याम शुक्ला, सहायक प्रबन्धक गौरी शंकर मिश्रा एवं भक्त मंडल के पदाधिकारी मौजूद थे। बैठक में 10 दिवसीय गणेश चतुर्थी महोत्सव और नवदुर्गा उत्सव के आयोजन को लेकर कई निर्णय लिए गए। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मंदिर में 10 दिवसीय गणेश चतुर्थी महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। मंदिर के मुख्य पुजारी पं. अशोक भट्ट ने बताया कि इस दौरान अन्न क्षेत्र के आजीवन सदस्यों का सम्मान भी किया जाएगा। पंडित भट्ट ने बताया कि मंदिर में अभिषेक पूजन के लिए विशेष प्रवेश व्यवस्था को बदलने की स्वीकृति भी बैठक में दी गई है। कलेक्टर और निगमायुक्त के सामने करोड़ों से बने भक्त निवास और प्रवचन हॉल में पानी नहीं होने की शिकायत की गई है। यहां जब से कंस्ट्रक्शन चल रहा था, तब से टैंकर से ही पानी सप्लाय के भरोसे हैं।

# इंदौर में रेस्टोरेंट कर्मचारियों ने परिवार को पीटा

## एडम्स ऐले में खाना खाने पहुंचे थे, फावड़ा लेकर दौड़े, ग्राहकों ने बचाई जान

**इंदौर (एजेंसी)।** कनाड़िया के एडम ऐले रेस्टोरेंट के कर्मचारियों के खिलाफ पुलिस ने मारपीट की धाराओं में केस दर्ज किया है। बताया जाता है कि रविवार को यहां एक परिवार खाना खाने पहुंचा था। जिसमें उनके साथ मारपीट की गई। इस मामले में परिवार के लोग थाने पहुंचे और केस दर्ज करा दिया। कनाड़िया पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बुजुर्ग सुनीता चित्रकार की शिकायत पर पुलिस ने एडम्स ऐले के पुरूष कर्मचारियों पर केस दर्ज किया है। सुनीता ने बताया कि रविवार रात पति संजय चित्रकार, बेटे संकेत, बहू स्वाति व परिवार के अन्य मेंबर्स के साथ खाना खाने पहुंची थी। हमें रेस्टोरेंट वालों ने टेबल पर बैठा दिया। हमने खाने के लिए ऑर्डर भी कर दिया। लेकिन बहुत देर तक खाना सर्व करने के लिए कोई नहीं आया। बेटे संकेत ने रेस्टोरेंट के मैनेजर पुष्पेन्द्र से कहा कि आप लोगों ने टेबल पर बैठा दिया। खाना सर्व नहीं कर रहे। आप रुपए रिफंड कर दो। इतने में एडम्स ऐले के अन्य कर्मचारी

आ गए। बोले की रुपए रिफंड नहीं होंगे। बैठना हो तो बैठो, तुम्हारे जैसे रोज हमारे यहां कितने लोग आते हैं। इस दौरान वह काफी बदतमीजी से बात करने लगे। इस पर परिवार ने आपत्ति ली तो वह अपशब्दों का उपयोग करने लगे। रोकने पर पति संजय, बेटे संकेत और परिवार के लोगों से मारपीट की। पति और बेटे के हाथ और चेहरे पर चोट आई। पति का चश्मा भी कर्मचारियों ने मारपीट में तोड़ दिया। वहीं बेटे की एक अंगूठी भी हाथ से गिर गई। जो मौके पर नहीं मिली। डर कर रेस्टोरेंट से बाहर निकलने लगे, तो एडम्स ऐले का एक कर्मचारी फावड़ा लेकर मारने दौड़ा। जिसे अन्य कस्टमर ने रोका। इसके बाद रेस्टोरेंट में मौजूद कर्मचारियों ने धमकी दी।

## संपादकीय

# मप्र : ऋणं कृत्वा घृतम् पिबेत..

लगता है कि मप्र की डॉ. मोहन यादव सरकार चार्वाक के सिद्धांत 'ऋणं कृत्वा घृतम् पिबेत' पर लगातार काम रही है। पहले ही कर्ज में डूबी सरकार अब केन्द्र सरकार से 5 हजार करोड़ का नया कर्ज दो किस्तों में लेने जा रही है। यह चालू वित्तीय वर्ष में राज्य सरकार द्वारा लिया जाने वाला पहला कर्ज है। कर्ज की यह राशि ऑक्शन प्रक्रिया पूरी होने के बाद राज्य को मिल जाएगी। राज्य सरकार द्वारा लिए जाने वाले दोनो कर्जों के लिए क्रमशः 11 और 21 साल की अवधि में ब्याज का भुगतान किया जाएगा। कर्ज की राशि अलग-अलग 2500-2500 करोड़ रुपए होगी।

इस कर्ज की राशि से मोहन यादव सरकार लाड़ली बहना योजना की किश्त का भुगतान करेगी। 10 अगस्त लाड़ली बहना को 1250 रुपए मासिक किश्त का भुगतान करने पर करीब 1650 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके अलावा 324 करोड़ रुपए का खर्च लाड़ली बहनों को राखी के लिए दिए जाने वाले 250 रुपए के भुगतान पर आएगा। इसके अलावा राज्य सरकार ने प्रदेश के साढ़े सात लाख कर्मचारियों और साढ़े चार लाख पेंशनर्स को महंगाई भत्ते का एरियर्स तीन किश्तों में देने का आदेश जारी किया है। इसलिए चालू महीने और अगले महीनों में किए जाने वाले एरियर्स के भुगतान पर भी सरकार को करोड़ों रुपए का भार वहन करना पड़ेगा। इसके अलावा बाकी पैसा अधोसंरचना विकास कार्यों में खर्च किया जाएगा। गौरतलब है कि प्रदेश सरकार पर 31 मार्च 2024 को खत्म हुए वित्त वर्ष में 3 लाख 75 हजार 578 करोड़ रुपए का कर्ज है। जो पिछले एक साल में 44 हजार करोड़ रुपए बढ़ा है। 31 मार्च 2023 को सरकार पर कर्ज की राशि 3 लाख 31 हजार करोड़ रुपए से अधिक थी। बताया जाता है कि राज्य के वित्त विभाग ने केंद्र सरकार को लगभग डेढ़ महीने पहले कर्ज लेने का प्रस्ताव भेजा था, जिसे केंद्र ने मंजूरी दे दी है। चिंता की बात यह है कि मध्य प्रदेश सरकार का करीब 4 लाख करोड़ का बजट है और लगभग उतना ही कर्जा पहुंच गया है। औसत हर महीने सरकार 2000 करोड़ का कर्ज ले रही है। मध्य प्रदेश की वित्तीय स्थिति पहले ही खराब बताई जा रही है। अब एक और नया कर्ज, एमपी सरकार के वित्तीय संकट के दलदल में फंसने का इशारा कर रहा है। कुछ दिनों पहले ही वित्त विभाग ने 125 योजनाओं की राशि वित्त विभाग की अनुमति से जारी होने का आदेश जारी किया था। इसमें कहा गया है कि 125 स्कीमों के लिए जो पैसा खर्च होगा, वह बिना वित्त विभाग की अनुमति से या उसकी सीधी अनुमति के बगैर नहीं हो सकेगा। यहां विचारणीय मुद्दा यह है कि सरकार अपनी आय के साधन बढ़ाने पर विशेष ध्यान नहीं दे रही है। वैसे भी जीएसटी आने के बाद राज्य सरकार के पास आय के स्त्रोत मुख्यद रूप से शराब और पेट्रोल डीजल पर वेट ही रह गए हैं। इसमें से भी पेट्रोल डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने से राज्यों का एक बड़ा आय स्त्रोत और कम हो जाएगा। हालांकि मप्र से जीएसटी और आयकर संग्रहण बढ़ा है, ऐसे में करों में उसकी हिस्सेदारी भी बढ़ी है। लेकिन सरकार के सिर पर कर्ज का लगातार बढ़ता बोझ खतरे की घंटी है। अगर मप्र यूं ही कर्ज के दलदल में धंसता गया तो उसकी स्थिति में उन राज्यों जैसी हो सकती है, जो बेहद गरीब हैं और आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। बेशक विकास के लिए कर्ज लेना जायज है, लेकिन जनता को मुफ्तखोरी की आदत लगाकर और हर वक्त चुनावी मोड में रहकर कर्ज का अंबार लगाना बुद्धिमानी नहीं है।

## नजरिया

**प्रभुनाथ शुक्ल**

*लेखक पत्रकार हैं।*

# बांग्लादेश- साजिश का शिकार, अपदस्थ लोकतंत्र

बांग्लादेश हिंसा की आग में जल रहा है। प्रधानमंत्री शेख हसीना अपात स्थिति में त्यागपत्र देकर भारत में शरण लिया है। बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है यह बांग्लादेश और उसके भविष्य के लिए ठीक नहीं है। सरकार विरोधी हिंसक और अराजक लोगों ने पूरे बांग्लादेश को अपने कब्जे में लें लिया है। इसके पीछे सिर्फ छात्र आंदोलन नहीं एक बड़ी साजिश है। यह साजिश बांग्लादेश के साथ -साथ सरकार को अस्थिर करने की थीं। क्योंकि हिंसक भीड़ प्रधानमंत्री आवास में घूस गई। गृहमंत्री का सरकारी आवास भी जला दिया गया। बांग्लादेश सरकार में कई हिंदू नेताओं का कत्ल कर दिया गया।

पाकिस्तान से बांग्लादेश को मुक्त कराने वाले और मुक्ति आंदोलन के प्रणेता मुजीबुर्र रहमान जो शेख हसीना के पिता हैं उनकी आदमकद प्रतिमा को जहाँ तोड़ दिया गया। वहीं उनके संग्रहालय को आगे हवाले कर दिया गया।हिंसक भीड़ हिंदू मंदिरों को भी तोड़ दिया। बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है यह सब एक सोची समझी रणनीति है। शेख हसीना को अपदस्त करना छात्र आंदोलन के बस की बात नहीं थीं। पूरी हिंसा को नियोजित ढंग से अंजाम दिया गया है। इस साजिश को समय रहते शेख हसीना और उनकी सरकार समझ नहीं पायी। इस पूरी साजिश में सेना, विपक्ष बेगम खलिदा जिया, पाकिस्तान और चीन की आंतरिक सहमति हो सकती है। जिसकी साजिश का शिकार शेख हसीना बन गई। हिंसा के बीच खालिदा जिया की रिहाई का आदेश आखिर क्या कहता है।

बंगलादेश में छात्र सरकार की उच्चश्रेणी की नौकरियों में आरक्षण को खत्म करना चाहते थे। हलांकि सरकार उनकी मांगो पर विचार भी कर रहीं थीं। दूसरी तरफ मामला सुप्रीमकोर्ट में विचाराधीन भी था। सरकार बांग्लादेश मुक्ति मोर्चा के लिए निर्धारित आरक्षण कोटे को थोड़ा कम भी किया था, लेकिन छात्र मानने को तैयार नहीं थे। वह सीधे हसीना सरकार को बदलना चाहते थे। छात्रों की यह मांग उचित भी हो सकती है लेकिन यह विल्कुल जायज थीं ऐसा भी नहीं था।

बांग्लादेश में छात्रों और सरकार के बीच बातचीत न होना और छात्रों के प्रति सरकार की दमनकारी नीति ने भी हसीना की सत्ता के लिए अंतिम कील साबित हुई। हसीना बल प्रयोग के जरिए छात्रों के आंदोलन को कुचलना चाहती थीं। लेकिन तक़रीबन 15 साल से सत्ता पर काबिज होना उनके लिए मुश्किल हो गया। जिसकी वजह से छात्र आंदोलन की आड़ में पाकिस्तान समर्थित ताकतें सेना के साथ मिलकर साजिश रचने में कामयाब रहीं। बांग्लादेश की सेना में भी अब पाकिस्तान और आईएसआई परस्त लोगों की आमद बढ़ने से बांग्लादेश की यह दुर्गति हुई है।

बांग्लादेश में शेख हसीना को उखाड़ फेंकना बेगम खलिदा जिया की पार्टी नेशलिस्ट और जमाती के बस की बात नहीं रह गई थीं। क्योंकि हसीना साल 2009 से लगातार सत्ता में बनी थीं। जबकि खलिदा जिया 2018 के बाद से भ्रष्टाचार के मामले में जेल में बंद हैं। बांग्लादेश में हसीना की आवामी लीग पार्टी पर लोगों का बड़ा भरोसा रहा है। हसीना के परिवार पर बांग्लादेश के लोग अटूट विश्वास रखते हैं। हाल के सालों में हसीना सरकार बांग्लादेश की आर्थिक

विकास के लिए अच्छे खासे कदम उठाए थे।

बांग्लादेश, पाकिस्तान से बेहतर अर्थव्यवस्था बन गया था। ढाई करोड़ लोगों सरकार ने गरीबी से बाहर निकला था। लोगों की आय भी तिगुना हो चली थीं।लेकिन विपक्ष के खिलाफ हसीना सरकार की कड़ी नीति उनके खिलाफ माहौल बनाने का काम किया। इस साजिश में छात्रों का आंदोलन आग में घी का काम किया। लेकिन असली साजिश किसी तीसरे की है। बांग्लादेश में स्वतंत्रता सेनानियों के लिए सरकारी नौकरियों में 30 फीसदी आरक्षण है। जबकि छात्र सरकारी नौजरियों में आरक्षण को खत्म करने की मांग कर रहे थे। उनका आरोप है कि सरकार अपने लोगों को सरकारी नौकरी का लाभ देती है। यह भी सच है की हसीना सरकार और अवामी लीग की लागातार जीत की वजह ऐसे भी लोग परेशान थे। पाकिस्तान से बांग्लादेश को मुक्त कराने के लिए जिन लोगों ने अपना बलिदान दिया था यह आरक्षण उन्हीं परिवारों के लिए है। जबकि छात्र इसे हटाने की माँग कर रहे हैं।

बांग्लादेश की घटना पूरी तरह एक साजिश का हिस्सा है। क्योंकि शेख हसीना सरकार हमेशा से भारत के करीब रहीं हैं। इसका कारण भी है भारत ने ही पूर्वी पाकिस्तान को विभजीत करा बांग्लादेश बनाया। शेख हसीना के पिता और भारत की दोस्ती इसमें बड़ा हाथ रहा है। बांग्लादेश भारत का मित्र देश है। वह भारत पर अटूट भरोसा करता है। शेख हसीना का परिवार जब भी संकट में आया भारत ने खुलकर मदद किया। कभी इंदिरा गाँधी ने बांग्लादेश की खुलकर सहायता किया। बांग्लादेश देश से भागने के बाद शेख हसीना ने भारत में शरण लिया है। वह भारत को सबसे अपना दूसरा घर मानती हैं। हसीना की पढ़ाई -लिखाई भारत में हुई है। जब उनके पिता बांग्लादेश में घिरे थे तो वे भारत में आ गई थीं। भारत हमेशा बांग्लादेश के साथ खड़ा है।

बांग्लादेश देश की सेना ने हसीना सरकार को अपदस्त करने के लिए अहम भूमिका निभाई है। क्योंकि अगर वह चाहती तो बांग्लादेश संकट का हल निकल सकता था। लेकिन सरकार के आदेश के बाद भी उसने एक चुनी हुई लोकतान्त्रिक सरकार का गला घोंटने का काम किया है। उसने आंदोलनकारी छात्रों के खिलाफ सख्त कदम नहीं उठाए। देश भर में हिंसा और आगजनी के बाद सेना कहती रहीं कि हम अपनों पर गोली नहीं चलाएंगे। क्योंकि वह सरकारी सम्पत्ति और ईमारतों को आग के हवाले करने एवं कत्लेआम के बाद भी चुप बैठी दिखीं।

सवाल उठता क्या सरकारी सम्पत्ति, संसद, संग्राहालय, सरकारी ईमारत बंगलादेश की नहीं थीं। जिस मुजीबर्र रहमान ने बांग्लादेश को आजादी दिलाई उसे ही आग और हिंसा की भेंट चढ़ा दिया। जिस व्यक्ति ने बांग्लादेश के लिए क्या कुछ नहीं किया। अगर ऐसा न होता क्या शेख हसीना वहां लागातार सत्ता में बनी रहती। बांग्लादेश की बहुतायत आबादी हसीना के साथ खड़ी थीं यहीं बात सेना, विपक्ष और विरोधियों और पाकिस्तान को खल रहीं थीं। जिसकी वजह में छात्र आंदोलन की आड़ में अपदस्त करने की साजिश रची गई।

क्योंकि भारत और बांग्लादेश के मजबूत होते सम्वन्ध से चीन और पाकिस्तान बौखलाया था। बांग्लादेश में विकास की सारी परियोजनाओं पर भारत का कब्जा हो रहा था जिसकी वजह से चीन की परेशानी बढ़ रहीं थीं। दूसरी तरफ बांग्लादेश में हसीना की बढ़ती लोकप्रियता पाकिस्तान को खल रहीं थीं। पाकिस्तान, बांग्लादेश को कभी खुश नहीं देखना चाहता है। वह बांग्लादेश में चरमपंथ की नई जमीन तैयार कर भारत से बदला लेना चाहता है। इसलिए वहां हिंदूओं की हत्या की जा रहीं और धार्मिक स्थल तोड़े जा रहे हैं। भारत सरकार फिलहाल बांग्लादेश की स्थिति पर नजर रख रहीं है। पूरा विपक्ष सरकार के साथ खड़ा है। हम चाहते हैं कि बांग्लादेश में एक स्थिर सरकार का गठन हो। बांग्लादेश में सैनिक शासन नहीं रहना चाहिए। इस संकट का हल निकलना चाहिए।

## सामयिक

**नृपेन्द्र अभिषेक नृप**

**लेखक स्तंभकार हैं।**

# बांग्लादेश में तख्तापलट, अशांति की दस्तक

भारत-पाकिस्तान युद्ध (1971) से जन्म लेने वाला देश बांग्लादेश में की स्थिति काफ़ी भयावह हो चुकी है। एक महीने से चले आ रहे प्रदर्शन ने शेख़ हसीना सरकार का अंत कर दिया है। बांग्लादेश में आरक्षण विरोधी चिंगारी शेख हसीना के तख़्तापलट तक पहुंच गई है।आनन-फानन में उन्हें देश छोड़ना पड़ा। बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता, भ्रष्टाचार और हिंसा के बढ़ते मामलों के कारण तख़्तापलट की संभावना बढ़ती दिख रही थी। हाल के समय में देश में राजनीतिक संघर्ष तेज हो गया था, जिसमें मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और सत्तारूढ़ आवामी लीग के बीच तनाव बढ़ता ही गया।

**आरक्षण विरोधी आंदोलन से बिगड़े हालात–** सरकारी नौकरियों में आरक्षण के ख़िलाफ़ शुरू हुआ छात्र आंदोलन, देशव्यापी प्रदर्शन में तब्दील होकर शेख़ हसीना सरकार के पतन तक पहुंच गया। 'स्टूडेंट अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन मूवमेंट' ने इस मार्च का आह्वान किया था। पुलिस ने आंसू गैस और साउंड ग्रेनेड चलाकर छात्रों को हटाने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रही। सेना की ओर से देश में अंतरिम सरकार का गठन करने की घोषणा के बावजूद, आंदोलन और बांग्लादेश में आगे क्या होगा ये अभी स्पष्ट नहीं है। बांग्लादेश में स्वतंत्रता सेनानियों के रिश्तेदारों के लिए सरकारी नौकरियों में दिए गए आरक्षण के विरोध में 1 जुलाई से प्रदर्शन की शुरुआत हुई थी। इससे पहले 5 जून को ढाका हाई कोर्ट ने स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों के लिए आरक्षण की व्यवस्था को फिर से लागू करने का आदेश दिया था। यही वो टर्निंग प्वाइंट था जिसके बाद पूरे देश में आरक्षण को लेकर विद्रोह शुरू हो गया था और अब स्थिति तख़्तापलट तक पहुंच गई।

देश में सैन्य हस्तक्षेप का भी लम्बा इतिहास रहा है। 1975 में बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान की हत्या के बाद कई सैन्य तख़्तापलट हुए थे। 1982 में जनरल हुसैन मुहम्मद इरशाद ने सत्ता पर कब्जा कर लिया था और 1990 तक सैन्य शासन चलाया था। इस इतिहास को देखते हुए, आज भी सेना की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

**कैसे बदले राजनीतिक हालात?–** बंग्लादेश के इतिहास में यह तख़्तापलट अचानक ही दस्तक नहीं दिया है बल्कि इसकी परिस्थिति पूर्व से ही बनने लगी थी जब आम चुनाव का मुख्य विपक्षी पार्टी ने बायकॉट कर दिया था और उसके बावजूद चुनाव करवा लिया गया था। बांग्लादेश की राजनीति लंबे समय से ध्रुवीकृत रही है। आवामी लीग और बीएनपी के बीच गहरे मतभेद हैं। इस राजनीतिक अस्थिरता ने लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर किया है और चुनावी प्रक्रिया में भी विघटन लाया है। बांग्लादेश की आजादी के बाद सेना की राजनीति में मजबूत भूमिका रही है। 1975 से लेकर 1990 तक, सैन्य शासन की एक लंबी अवधि ने सेना को शक्ति का एक प्रमुख केंद्र बना दिया था। इसके बाद भी, सेना राजनीतिक स्थिरता में हस्तक्षेप करती रही है।

बांग्लादेश हालांकि आर्थिक रूप से विकसित हुआ है, फिर भी गरीबी, बेरोजगारी और सामाजिक असमानता जैसी समस्याएं गंभीर हैं। ये मुद्दे जनता में असंतोष को बढ़ावा देते हैं, जिसका फायदा उठाकर तख़्तापलट की स्थिति बन सकती है। भ्रष्टाचार और प्रशासनिक विफलता भी इस काले दिन के आमंत्रण का कारण रहा है। सरकार पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप और प्रशासनिक विफलताओं ने आम जनता का भरोसा कमजोर किया है। भ्रष्टाचार ने सार्वजनिक सेवाओं की गुणवत्ता को गिरा दिया है, जिससे लोगों का सरकार पर से विश्वास कम हुआ है।

राजनीतिक रूप से बिखर चुका बांग्लादेश को अब एक अंतरिम सरकार बनानी है और उसके समक्ष भी चुनौतियों का एक अंबार होगा। जिससे निपटने के लिए कुछ ठोस क़दम उठाने होंगे। अब लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करना, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना आवश्यक है। इसके लिए एक स्वतंत्र निर्वाचन आयोग का गठन और चुनावों में सेना का हस्तक्षेप समाप्त करना महत्वपूर्ण है। लेकिन फिलहाल सरकार सेना बनाएगी या राजनीतिक दल यह स्पष्ट नहीं है। सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच संवाद और सहमति बनाना आवश्यक है। यदि आवामी लीग और बीएनपी के बीच सार्थक बातचीत होती है, तो राजनीतिक ध्रुवीकरण कम हो सकता है। एक व्यापक राष्ट्रीय सहमति तख़्तापलट के जोखिम को कम कर सकती है।

अगर बंग्लादेश को लोकतांत्रिक पद चिन्हों पर बने रहना है तो सेना को राजनीतिक मामलों से दूर रखना जरूरी है। इसके लिए सेना के नेतृत्व और नागरिक नेतृत्व के बीच स्पष्ट समझौता होना चाहिए, जिसमें सेना अपनी संवैधानिक भूमिका में ही बनी रहे। साथ ही सरकार को भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़े कदम उठाने चाहिए। प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना तख़्तापलट के हालात को कमजोर करेगा। देश में आर्थिक विकास के लाभों को सभी वर्गों तक पहुंचाने की आवश्यकता है। गरीबी, बेरोजगारी और सामाजिक असमानता को कम करने के लिए व्यापक सुधार जरूरी हैं।

**भारत भी होगा प्रभावित–** बांग्लादेश की यह घटना भारत को भी प्रभावित करेगी । बांग्लादेश में तख़्तापलट का सीधा असर भारत पर पड़ सकता है। बांग्लादेश में अस्थिरता से पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता पर असर पड़ सकता है। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की सुरक्षा के लिए बांग्लादेश की स्थिरता महत्वपूर्ण है। तख़्तापलट से उत्पन्न अस्थिरता से इस क्षेत्र में शरणार्थियों का संकट पैदा हो सकता है, जो भारत के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकता है। यदि बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ती है, तो आतंकवादी संगठनों को बढ़ावा मिल सकता है। भारत में पहले से ही पूर्वोत्तर में उग्रवाद का खतरा है, और बांग्लादेश में अस्थिरता से यह खतरा और बढ़ सकता है। इस स्थिति में, भारत को अपने सुरक्षा तंत्र को मजबूत करना होगा।

भारत और बांग्लादेश के बीच गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध हैं। तख़्तापलट से द्विपक्षीय संबंधों में अस्थिरता आ सकती है, विशेषकर अगर नई सरकार भारत विरोधी हो। इसके अलावा, जल बंटवारा, सीमा विवाद, और व्यापारिक संबंधों पर भी असर पड़ सकता है। बांग्लादेश जो कि दक्षिण एशिया में भारत का एक महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार है, तख़्तापलट की स्थिति में दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों में खटास आ सकती है, जिससे भारत की आर्थिक स्थिति पर भी प्रभाव पड़ सकता है। बांग्लादेश में तख़्तापलट की स्थिति में वहां के लोगों का भारत की ओर पलायन बढ़ सकता है। ख़ासकर भारत के असम और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में इसका भारी असर हो सकता है, जिससे सामाजिक और सांस्कृतिक तनाव पैदा हो सकते हैं।

बांग्लादेश में तख्तापलट की स्थिति से निपटने के लिए एक संतुलित और संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। तख़्तापलट का खतरा सिर्फ बांग्लादेश के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के लिए गंभीर चुनौती है। इस संदर्भ में, भारत को भी अपनी विदेश नीति में सतर्कता बरतनी होगी और बांग्लादेश के साथ अपने संबंधों को मजबूत रखने की कोशिश करनी होगी। लोकतंत्र, समृद्धि और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का भी सक्रिय योगदान अपेक्षित है।

# बांग्लादेश का घटनाक्रम और हमारी चुनौतियां

## मुद्दा

**आरबी. त्रिपाठी**

**लेखक स्तंभकार हैं।**

सामान्य सी अवधारणा है कि आपके पड़ोस में आग लगी है, सुख शांति, अमन चैन नहीं है तो आप स्वयं भी सुकून से कैसे रह सकते हैं। पड़ोसी बांग्लादेश में हाल में हुई उथल-पुथल, तख्तापलट और आरक्षण विरोधी हिंसक आंदोलन को देखते हुए भारत भी इससे विलग और मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकता। आखिर वहां की प्रधान मंत्री ने भी संकट की इस घड़ी में भारत की ओर दौड़ लगाना मुनासिब समझा। आसन्न खतरों को देखते हुए आनन फानन में उन्होंने नई दिल्ली का रुख कर हिंडन एयरबेस पर पहुंचने का फैसला किया। जहां हमारे सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने उनसे मुलाकात की। अटकलें लगाई जा रही है कि वे यूके में शरण लेना चाहती हैं। कुछ दिनों पूर्व ही शेख हसीना ने भारत यात्रा पर आकर प्रधान मंत्री के साथ संयुक्त द्विपक्षीय बैठक में शिरकत की थी तब उन्हें अंदाजा भी नहीं रहा होगा कि उनके विरुद्ध सियासत का संकट ऐसा रूप ले लेगा।

सन 1971 के घटनाक्रम को याद करें तो उस समय आज का बांग्लादेश, पाकिस्तान शासित था जहां पाकिस्तान के तत्कालीन शासक याहया खान के दमनचक्र, अत्याचार और भेदभाव के चलते शेख मुजीबर्रहमान की अगुआई में मुक्ति संग्राम चला तथा बड़ी संख्या में वहां के लोगों ने सीमा पार कर भारत में शरण ली। अंततः हालात ऐसे निर्मित हुए कि भारत पाकिस्तान के बीच युद्ध छिड़ा जिसमें भारतीय सेना ने अपना अद्वितीय शौर्य और पराक्रम दिखाकर पाक सेना को आत्मसमर्पण को विवश कर दिया। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उस वक्त बड़े धैर्य, सूझबूझ और दूरदर्शिता का परिचय दिया जो इतिहास में सदैव दर्ज रहेगा। तब के सेना प्रमुख जनरल मानेक शॉ ने साहस तथा गंभीरतापूर्वक सेना का नेतृत्व किया। बांग्लादेश से आये शरणार्थियों की समस्या से निपटते हुए अंततः शिमला समझौता हुआ जिसमें इंदिरा गांधी और पाकिस्तान के प्रधान मंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो के बीच मुद्दों को लेकर सहमति बनी और पाकिस्तान के युद्ध बंदियों तथा कुछ और मसलों पर फैसले हुए। हालांकि बाद के वर्षों में पाकिस्तान ने समझौते का उल्लंघन किया।

युद्ध के परिणाम स्वरूप पाकिस्तान का यह इलाका आजाद हुआ और शेख मुजीब के नेतृत्व में बांग्लादेश का अभ्युदय विश्व के मानचित्र पर हुआ। बंग बंधु के नाम से मशहूर शेख मुजीब को वहां के राष्ट्र पिता का दर्जा हासिल हुआ। तब से लेकर अब तक बांग्लादेश के विकास और अधोसंरचना निर्माण में भारत ने दिल खोलकर योगदान किया जिसे भुलाया नहीं जा सकता। बाद में एक अप्रत्याशित घटनाक्रम में शेख मुजीब को ना केवल अपदस्थ किया बल्कि उनकी हत्या कर दी गई। बाद के घटनाक्रम का उल्लेख फिलहाल प्रासंगिक नहीं होगा।

मुझे अपनी 2003 की बांग्लादेश यात्रा का स्मरण आता है जब हम विश्व बैंक सहायित डीपीआईपी प्रोजेक्ट में काम करते हुए बांग्लादेश के ग्रामीण बैंक और स्व सहायता समूह आंदोलन के धरातल पर सुफल का अवलोकन करने अपने साथियों के साथ ढाका और सुदूरवर्ती जिलों के गांवों के भ्रमण पर गये थे। स्मरण रहे कि मोहम्मद युनुस की अगुआई में बांग्लादेश में ग्रामीण बैंक और एसएचजी के जरिये वहां के ग्रामीण समुदाय ने गरीबी के विरुद्ध आत्म निर्भरता की ओर सार्थक प्रयास किये थे जो मिसाल बने और चहुंओर उनकी सराहना हुई थी। कई देशों और वर्ल्ड बैंक प्रोजेक्ट में इसकी लर्निंग को कुछ हद तक अपनाया गया था। इस यात्रा के बाद मैंने एक आलेख तैयार किया था जिसे पत्र पत्रिकाओं में स्पेश मिला था।

खैर, 1971 के भारत पाक युद्ध और बांग्लादेश के उदय के वक्त अपन 9 वीं कक्षा में शुजालपुर मंडी में पढ़ाई कर रहे थे। लेकिन जहां तक स्मरण है उत्सुकता इतनी प्रबल थी कि रेडियो पर युद्ध की खबरें देर रात तक सुना करते थे। रेडियो पाकिस्तान की खबरें भी सुनने को मिलती थी जिसे उस दौर में रेडियो झूठिस्तान भी कहा जाता था क्योंकि उस पर अनर्गल प्रचार चलता रहता था। पाक प्रमुख याहया खान के जुल्मों के विरोध स्वरूप स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा निकाले गये प्रदर्शन जुलूस में भी हिस्सा लिया था। उसी समय दिनमान, धर्मयुग और साप्ताहिक हिंदुस्तान जैसी प्रचलित पत्रिकाओं को स्कूल लाइब्रेरी या खरीदकर पढ़ने को अपनी आदत में शुमार कर लिया था।

बांग्लादेश के इस घटनाक्रम पर भारत का क्या रुख रहेगा और इस चुनौती से देश कैसे निपटेगा इसके लिए अभी आने वाले दिनों तक इंतजार रहेगा लेकिन इतना अवश्य है कि हमारे देश के आसपास चाहे पाकिस्तान हो, श्रीलंका, अफगानिस्तान हो या फिर बांग्लादेश, नेपाल हालात ठीक नहीं कहे जा सकते। उधर पाकिस्तान से जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की घटनाएं थम नहीं रही तो मौका परस्त चीन कोई ना कोई मुश्किल पैदा करता रहता है। ऐसे वक्त हर कदम फूंक-फूंक कर उठाना ही श्रेयस्कर होगा। साथ ही तमाम विरोधाभास के बावजूद विपक्ष के इंडिया गठबंधन को भी विश्वास में लेकर देशहित में फैसले लेने होंगे। उम्मीद की जा सकती है कि विपक्षी गठबंधन इसमें सरकार के साथ होगा। हमें यह याद रखना चाहिये कि बांग्लादेश में विपक्ष के नेताओं को जेलों में बंद रखने, उन्हें बगैर विश्वास में लिये आरक्षण संबंधी फैसले लेने और छात्र आंदोलन को बहुत हल्के में लिये जाने जैसे प्रमुख कारण रहे जिससे फैली अराजकता का परिणाम तख्तापलट है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

**'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।**

## व्यंग्य

**सुदर्शन सोनी**

**लेखक व्यंग्यकार हैं।**

# व्यवस्था अपना मैक्रोस्कोप में दोष इसलिए हो रहे हादसे

माइक्रोस्कोप से हम आंखों को नहीं दिखने वाले सूक्ष्म विषाणुओं व जीवाणुओं को आसानी से मैग्नीफाई कर देख पाते हैं। कुछ समय पहले एक प्रांत में जहरीली शराब पीने से कई लोग असमय अल्लाह को प्यारे हो गए। ऐसे हादसे तो होते ही रहते हैं। एक होता है कुछ निर्दोष व गरीबों की जान लील जाती है। लोग कुछ भूलते हैं कि दूसरा घटित हो जाता है। सारी कड़ाई व जांच हादसा घटित होने के बाद की जाती है। दिल्ली के मुखर्जी नगर में लड़कियों के होस्टल में लगी आग की घटना के बारे में भी यही लीपापोती का एसओपी दोहराया गया। राऊ कोचिंग इंस्टीट्यूट के बेसमेंट की लायब्रेरी में बरसात का पानी भर जाने से तीन होनहार छात्रों की दुखद मौत में भी यही औपचारिकता खाना पूर्ति कर ली जाएगी।

'उपचार से बेहतर रोकथाम है' यह शब्द व्यवस्था के लिये परहेज के ही समान है। हादसों की ऐसी विविधता तो अमूमन कहीं और देखने नहीं मिलती। विविधता में एकता वाले देश में हादसों में भी यह रचा बसा है। एकता यह है कि मरता तो गरीब और कमजोर ही है और विविधता वाली बात यह है कि व्यवस्था के लिए हादसा 'कांट अनअवेयर' सिद्व होता है हर बार। कई बार वह इसे 'इटस् गाडस् एक्ट' कह कर भी पल्ला झाड़ लेती है। यहां हादसों के दो प्रकार होते हैं एक आवर्ती जैसे कि जहरीली शराब या भगदड़ या बहुमंजिला में आग या उसका भरभराकर गिरना। दूसरा अनावर्ती इसे कोई समझ नही पाता कभी चिमनी गिर जाती तो कभी क्रेन तो कभी और कुछ। अभी स्कूल की दीवार गिरने से बच्चे असमय मौत के मुंह में समा गए तो पार्थिव शिवलिंग बना रहे नौ नौनिहाल भी कच्ची दीवार गिरने से मलबे में दब कर मर गए।

कभी पुल अचानक भरभराकर गिर कईयों को यमदूत के यहां पहुंचा देता है तो कभी विस्फोटकों से भरे गोदाम में विस्फोट हो जाता है। जब तक सारे पुलों व गोदामों का सुरक्षा ऑडिट होता है तो हादसे का मूड बदल जाता है। अब नदी किनारे घाट की एक पुरानी नाव में ज्यादा सवारियों के होने से वह पलट कर कई निर्दोषों के इहलोक को परलोक में पलट देती है। अब सारे नाविकों व नावों की तलाश होने लगती है लेकिन अबकि हादसा एक क्रेन में प्रविष्ट कर जाता है। वह धड़ाम से गिरती है तो कईयों को असमय यमराज का बुलावा आ जाता है। अब सारी क्रेनों का सुरक्षा ऑडिट हो रहा था। अब यह एक पुरानी बहुमंजिला में प्रविष्ट कर जाता है। इसके भरभराकर गिर जाने से दो दर्जन लोग फिर काल के गाल में समा जाते हैं।

हादसा हर बार नए तरह का होता है पर व्यवस्था जो हादसा घटित हो गया है उसी की मॉक ड्रिल में व्यस्त रहती है। दिल्ली की कोचिंग में पानी भर तीन छात्रों की असमय मौत हो गई तब मध्यप्रदेश की कोचिंग की चैकिंग शुरू हो धरातल पर कम व अखबारों में ज्यादा कार्य दिखाई देने लगती है। बिहार में पुल भरभराकर ढहता है तो अन्य प्रदेशों में पुलों का आडिट शुरू हो जाता है। हादसा हर बार व्यवस्था को चौकाता है पर फिर भी यह कुछ सीखती नहीं। हादसों व व्यवस्था का लुकाछिपी का यह खेल सतत चलता रहता है। लोग सतत अपनी जान से हाथ धोते रहते हैं। गंगाधर हैरान है उसे समझ नही आता कि हादसे रूकते क्यों नहीं? रोकथाम उपचार से बेहतर की शाश्वत कहावत को क्यों नही मन से माना जा लागू करवाया जाता। जनता जनार्दन केवल वोट मांगने के समय भगवन होती है। इसे असमय क्यों लीलने का हादसों को अवसर दिया जाता है। स्वतंत्रता के पूर्व भारतवासी भूख , अकाल व बीमारियों से काल के गाल में समाते थे। अब हादसों से काल कवलित होते हैं। रेल दुर्घटना में, झूले गिरने से, दीवार गिरने से, भगदड़ मचने से हजार कारण हैं यहां लोगों के मरने के और जीने के उंगलियों पर गिनने लायक कारण हैं।

हादसों का असली कारण व्यवस्था की आंखों पर चढा मैक्रोस्कोप है। माइक्रोस्कोप व मैक्रोस्कोप में अंतर क्या है? अंतर बहुत बड़ा है। बड़ा नहीं होता तो ये बड़े-बड़े हादसे होते कैसे? व्यवस्था का मैक्रोस्कोप माइक्रोस्कोप के उलट सूक्ष्म चीजों को बड़ा नही करता बल्कि बडी चीजों को सूक्ष्म कर देता है! कभी कभी दृष्टि दोष ही उत्पन्न कर देता है। इसका असर यह होता है कि जनसंख्या वृद्धि जैसी बडी समस्या, बेरोजगारी की सुरसा की तरह मुंह फाड़ रही समस्या सूक्ष्म दिखती है। या किसानों की आत्महत्या का आए दिन का समाचार मैक्रोस्कोप लेकर बैठे लोगों को दिखता ही नही। समस्याओं , अनियमितताओं , लापरवाही कुप्रबंधन के जगह जगह फैले वायरसों को देखने जिस माईक्रोस्कोपिक संवेदनशील दृष्टि की जरूरत होती है उसका पलायन पाया जाता है।

हादसे न हों, अब इसके लिये एक ही चीज की जरूरत है कि व्यवस्था अपना वायरस इन्फेक्टेड मैक्रोस्कोप निकाल कर फेंक दे। उसकी जगह संवेदनशीलता सजगता , सतत चौकसी व नैतिक जिम्मेदारी की माइक्रोस्कोपिक दृष्टि विकसित कर ले। नही तो यों ही हादसों में लोग हमेशा की तरह काल कवलित होते रहेंगे। जांच बैठती रहेगी। रिपोर्ट धूल खाती रहेगी। इस धूल से जनमानस में अविश्वास की एलर्जी जरूर बढ़ती जा रही है।

07 अगस्त तीज पर विशेष

# उमंग व उल्लास का पर्व है तीज

रमेश सर्राफ धमोरा

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

श्रावण में बरसात के मौसम में चारों ओर हरियाली की चादर सी बिखर जाती है। जिसे देख कर सबका मन झूम उठता है। सावन का महिना एक अलग ही मस्ती और उमंग लेकर आता है। श्रावण के सुहावने मौसम के मध्य में आता है तीज का त्यौहार। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को श्रावणी तीज कहते हैं। उत्तर भारत में यह हरियाली तीज के नाम से भी जानी जाती है।

सावन के महीने में सिंजारा, तीज, नागपंचमी एवं सावन के सोमवार जैसे लोकपर्व उत्साह पूर्वक मनाए जाते हैं। श्रावण के महीने में मनायी जानेवाली हरियाली तीज आस्था, प्रेम, सौंदर्य व उमंग का त्यौहार है। तीज को मुख्यतः महिलाओं का त्यौहार माना जाता है। यह पर्व महिलाओं की सांस्कृतिक मान्यताओं का प्रतीक है। सावन माह में मनाया जाने वाला हरियाली पर्व दंपतियों के वैवाहिक जीवन में समृद्धि, खुशी और तरक्की का प्रतीक है। तीज का त्यौहार भारत के कोने-कोने में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। यह त्यौहार भारत के उत्तरी क्षेत्र में हर्षोउल्लास के साथ मनाया जाता है।

वर्षा ऋतु में श्रावण के महीने में हमारे देश में चारों तरफ पानी बरसता रहता है। इस दौरान चारों तरफ हरियाली ही हरियाली नजर आती है। हरियाली के आगोश में प्रकृति इस तरह झूम उठती है मानो पृथ्वी अपनी हरी-भरी बाहें फैलाकर सबका अभिनंदन कर रही हो। श्रावण के महीने को हिंदू धर्मावलंबी भगवान शिव का महीना मान मानकर भगवान शिव की पूजा अर्चना करते हैं। कांवड़िए देशभर में विभिन्न नदी, तालाबों से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करते हैं। गणगौर के बाद त्योहारों का सिलसिला रुक जाता है वह एक बार फिर श्रावण मास की तीज से प्रारंभ हो जाता है। श्रावण का महीना महिलाओं के लिए विशेष उल्लास का महीना होता है। इस महीने में आने वाले अधिकांश लोक पर्व महिलाओं द्वारा ही मनाए जाते हैं।

धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए इस व्रत का पालन किया था। परिणामस्वरूप भगवान शिव ने उनके तप से प्रसन्न होकर उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया था। माना जाता है कि श्रावण शुक्ल तृतीया के दिन माता पार्वती ने सौ वर्षों के तप उपरान्त भगवान शिव को पति रूप में पाया था। इसी मान्यता के अनुसार स्त्रियां माता पार्वती का पूजन करती हैं।

श्रावण का आगमन ही इस त्यौहार के आने की आहट सुनाने लगता है। समस्त सृष्टि सावन के अदभूत सौंदर्य में भिगी हुई सी नजर आती है। यह पर्व भारतीय जनमानस के अटूट विश्वास को और अधिक प्रगाढ़ता प्रदान करने का पर्व है। इस पर्व में हरियाली शब्द से ही साफ है कि इसका ताल्लुक पेड़-पौधों और पर्यावरण से है। यह त्योहार जीवन में जश्न का प्रतीक है और हरियाली तीज का पर्व प्रकृति का त्योहार हैं। इस मौके पर महिलाएं अच्छी फसल के लिए भी प्रार्थना करती हैं।

तीज पर मेहंदी लगाने, चूड़ियां पहनने, झूला झूलने तथा लोक गीतों को गाने का विशेष महत्व है। तीज के त्यौहार वाले दिन खुले स्थानों पर बड़े-बड़े वृक्षों की शाखाओं पर, घर की छत पर या बरामदे में झूले लगाए जाते हैं जिन पर स्त्रियां झूला झूलती हैं। हरियाली तीज के दिन अनेक स्थानों पर मेलों का भी आयोजन होता है।

हाथों में रची मेंहंदी की तरह ही प्रकृति पर भी हरियाली की चादर सी बिछ जाती है। इस नयनाभिराम सौंदर्य को देखकर मन में स्वतः ही मधुर झनकार सी बजने लगती है और हृदय पुलकित होकर नाच उठता है। इस समय वर्षा ऋतु की बौछारें प्रकृति को पूर्ण रूप से भिगो देती हैं। सावन की तीज में महिलाएं व्रत रखती हैं। इस व्रत को अविवाहित कन्याएं योग्य वर को पाने के लिए करती हैं तथा विवाहित महिलाएं अपने सुखी दांपत्य की चाहत के लिए करती हैं।

राजस्थान में जिन कन्याओं की सगाई हो गई होती है। उन्हें अपने होने वाले सास ससुर से एक दिन पहले ही भेंट मिलती है। इस भेंट को स्थानीय भाषा में सिंझारा कहते हैं। सिंझारा में मेंहदी, लाख की चूड़ियां, लहरिया नामक विशेष वेश-भूषा, घेवर नामक मिठाई जैसी कई वस्तुएं होती हैं। पीहर पक्ष द्वारा अपनी विवाहित पुत्री को भी सिंजारा भेजा जाता है। जिसे पूजा के बाद सास को सुपुर्द कर दिया जाता है। राजस्थान में नवविवाहिता युवतियों को सावन में ससुराल से मायके बुलाने की भी परम्परा है।

तीज के अवसर पर नवयुवतियां हाथों में मेंहदी रचाते हुए गीत गाती हैं। समूचा वातावरण श्रृंगार से अभिभूत हो उठता है। इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता है कि महिलाओं का हाथों पर विभिन्न प्रकार से बेलबूटे बनाकर मेंहदी रचाना। राजस्थान में हाथों व पांवों में भी विवाहिताएं मेंहदी रचाती हैं। जिसे मेंहदी मांडना कहते हैं। इस दिन राजस्थानी बालाएं दूर देश गए अपने पति के तीज पर आने की कामना करती हैं। जो कि उनके लोकगीतों में भी मुखरित होता है। राजस्थान के गांवों में पहले लड़किया गुड्डे-गुड्डी का खेल खेलती थी। तीज के दिन से गुड्डे-गुड्डी का खेल खेलना बन्द कर देती थी। इसलिये गांव की लड़किया एक साथ एकत्रित होकर अपनी पुरानी गुड्डे-गुड्डी को गांव के पास के नदी,तालाब, जोहड़ में बहा देती थी। जिसे गुड्डी बहावना कहा जाता था।

अपने सुखी दांपत्य जीवन की कामना के लिये स्त्रियां यह व्रत किया करती हैं। इस दिन उपवास कर भगवान शंकर-पार्वती की बालू से मूर्ति बनाकर शोडशोपचार पूजन किया जाता है जो रात्रि भर चलता है। स्त्रियों द्वारा सुंदर वस्त्र धारण किये जाते है तथा घर को सजाया जाता है। इसके बाद मंगल गीतों से रात्रि जागरण किया जाता है। इस व्रत को करने वालि स्त्रियों को पार्वती के समान सुख प्राप्त होता है। तीज का आगमन वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही आरंभ हो जाता है। आसमान काले मेघों से आच्छादित हो जाता है और वर्षा की फोहार पड़ते ही हर वस्तु नवरूप को प्राप्त करती है। ऐसे में भारतीय लोक जीवन में हरियाली तीज या कजली तीज महोत्सव का बहुत गहरा प्रभाव देखा जा सकता है।

आज के दौर में ये सब बीती बाते बन कर रह गयी है। राजस्थान में मान्यता है कि गणगौर के साथ ही पर्व-त्यौंहार मनाना बन्द हो जाते हैं। वो तीज के दिन से पुनः मनाये जाने लगते हैं। तीज से शुरू होने के बाद त्योंहारों का सिलसिला गणगौर तक चलता है। इसीलिये राजस्थान में एक कहावत प्रचलित है तीज त्योंहारा बावड़ी ले डूबी गणगौर।

अनुभव

# पाठ्य-पुस्तक 'पंखुड़ी' का मुखपृष्ठ और कक्षा तीन के बच्चे

प्रमोद दीक्षित मलय

लेखक शिक्षक हैं।

2 अगस्त, 2024 की रात झमाझम बारिश से गांव की सड़क कीचड़ और गोबर से सनी हुई थी। मैं अतर्रा-नरैनी मुख्य मार्ग छोड़कर कार्य स्थल गांव की ओर मुड़ा ही था कि कीचड़ से बाइक फिसलते-फिसलते बची। पीछे बैठे शिक्षक साथी ने गीली जमीन पर अपने पांव मजबूती से जमा न दिये होते तो गिर ही गये थे। हमारे पैर कीचड़ से सराबोर थे, मेरे दाहिने पैर का सैंडल कीचड़ में कहीं गहरे घुस गुम हो गया था, ऊपर की जेब में रखी छोटी डायरी और पेन उछलकर कीचड़ के ढेर पर पड़े कराह रहे थे। अभी भी आसमान में बादल मंडरा रहे थे। कुछ काले पनीले बादल गांव के ऊपर झुक आये थे मानो कि अब बरसें कि तब। सैंडल खोज और पैरों को झटक कीचड़ साफ कर आगे बढ़े तो विद्यालय के बगल के नाले का पानी टूटी पुलिया को छूकर बहता मिला। सावधानी से पुलिया पार कर विद्यालय के मुख्य द्वार पर पहुंच देखा कि सामने के तालाब के भीटे से गेट तक एक सैकड़ा से अधिक गायें और कुछ बैल बैठे-खड़े मिले। पुलिया से विद्यालय तक 20 मीटर के कंक्रीट रास्ते पर भीटे की गीली चिकनी मिट्टी जमा थी, बाइक फिसली जा रही थी। गेट पर कुछ बच्चे और रसोईया प्रतीक्षा में थे, जल्दी से गेट खोला और अंदर प्रवेश किया कि तभी बादल बरस पड़े मानो हमारे सुरक्षित स्कूल पहुंच जाने का इंतजार कर थे।

मेरा पहला पीरियड कक्षा तीन में हिंदी भाषा का था। उस दिन मैं हिंदी पाठ्य पुस्तक 'पंखुड़ी' के पाठ 8 की कविता 'अगर पेड़ भी चलते होते' (कवि दिविक रमेश) पर बातचीत करने वाला था। दरअसल पढ़ाने को मैं एकतरफा शिक्षकीय निर्देश की बजाय हमेशा बच्चों से आपसी बातचीत या संवाद के रूप में ही देखता हूं। कक्षा में नामांकित 21 बच्चों में से मैंने चार-चार बच्चों के पांच समूह बना रखे हैं। हर महीने समूहों का पुनर्गठन होता है ताकि सभी बच्चों को एक-दूसरे के साथ काम करने और सीखने का अवसर मिलता रहे। छोटे समूहों पर काम करके फिर बड़े समूह यानी पूरी कक्षा के सामने प्रस्तुति और संवाद से विषय की पहुंच हर एक बच्चे तक बहुत स्पष्ट और सहजता से हो जाती है, ऐसा मेरा अनुभव रहा है। इस कविता के लिए भी मैंने कुछ गतिविधियां करवाने हेतु सभी समूह में अलग-अलग कार्यों का बंटवारा कर रखा था। पहले समूह को एक चार्ट पर साज-सज्जा के साथ कविता को लिखने का काम दिया गया था। दूसरे समूह को आर्ट पेपर पर कविता से संबंधित चित्र बना चार्ट पर चिपकाने थे। तीसरे समूह को कविता में आए कठिन शब्दों के अर्थ, विलोम और पर्यायवाची शब्दों पर काम करते हुए पाठ के अंत में दिए प्रश्नों सहित बच्चों के समझ अनुसार उत्पन्न होने वाले अन्य प्रश्न और उनके उत्तर लिखने थे। चौथे समूह को परिवेश में पाए जाने वाले पेड़-पौधों के नाम लिख चित्र बनाते हुए उनके लाभ अंकित करने थे और पांचवें समूह को पुस्तकालय की पुस्तकों से वृक्षों के महत्व पर कुछ अन्य कविताएं चयन कर ए-4 पेपर में लिखकर चार्ट में चिपकानी थीं। इन सब काम के लिए कक्षाकक्ष की अलमारी में हमेशा सादे और लाइनदार ए-4 कागज, चार्ट, पटरी-पेंसिल-इरेजर, कलर, स्केच और मार्कर पेन, गोंद, सुतली, छोटी कीले आदि सामग्री उपलब्ध रहती है।

थोड़ी सी अनौपचारिक बातचीत के बाद समूहों के साथ काम शुरू करने ही वाला था कि अंबिका देवी पाठ्य पुस्तक 'पंखुड़ी' लेकर मेरे पास आई और कवर में अंकित चित्र को दिखाकर पूछा कि यह सूरजमुखी का फूल है ना? मैंने सहमति में सिर हिलाया। तब वह बोली कि निराशा और सुनैना कह रही हैं कि यह बेला-चमेली के फूल हैं, तब तक वे दोनों भी मेज के निकट दौड़ कर पहुंच गई और बोलीं कि उनके घर में इसी तरह के बेला-चमेली फूल हैं। मैंने उन्हें चमेली-बेला और सूरजमुखी के फूल मोबाइल पर दिखाए। तब तीनों संतुष्ट हो अपने स्थान पर बैठ गईं। तभी अरुण ने सवाल उछाला कि लड़की के हाथ के ऊपर उड़ रही दतैया (ततैया) क्या फूलों का रस पीने आई थी। लेकिन कक्ष के बायें कोने में पीछे बैठी काजल ने कहा कि यह तो मधुमक्खी है, तुम्हें इतना भी नहीं पता। सभी बच्चे उसकी बात से सहमति दिखा खिलखिला कर हंस पड़े। अरुण झेंप गया। सभी बच्चे तितली की बजाय उसे मधुमक्खी ही समझ रहे थे। मुझे लगा की कविता के पाठ पर काम करने की बजाय क्यों न आज हम लोग मुखपृष्ठ पर बातचीत करते हुए अपने परिवेश से जोड़ते हुए एक सामान्य समझ विकसित करें।

बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ। मैंने मुखपृष्ठ दिखाते हुए कहा इस पूरे चित्र में क्या-क्या दिखाई पड़ रहा है? सभी बच्चों के हाथ उठ गए थे। मैंने प्रत्येक समूह से दो बच्चों को उत्तर देने के लिए निर्देशित किया। समूह एक से अंशिका बोली कि एक लड़की यूनिफॉर्म पहने हुए बालों में फीता बांधे हुए दिख रही है तो दूसरे छात्र गोपाल सिंह ने कहा कि इसमें आकाश का नीलापन और सूरज के उगने का पीलापन भी है। अगले समूह से पुष्पेन्द्र खड़ा हुआ और ऊपर दाहिनी ओर बने शिक्षा का अधिकार लोगो की ओर संकेत करते हुए कहा कि इस पेज में गिनती (अंक) भी लिखी है। इस समूह से ही एक लड़की अलका ने कहा कि एक लड़का और एक लड़की पेंसिल पर बैठे हुए हैं। मैंने कहा कि इस चित्र में लड़की ही आगे क्यों है? बच्चों के उत्तर मुझे चौंकाने वाले थे। लड़कियां बोल पड़ीं, क्योंकि लड़कियां पढ़ने-लिखने और सभी काम में में सबसे आगे हैं। पूरी कक्षा में हंसी का फव्वारा बिखर गया तभी एक लड़के ने हस्तक्षेप किया कि ऐसा नहीं है लड़के भी पढ़ने में होशियार और आगे रहते हैं। कोई किसी की बात को काट नहीं रहा था, यह मुझे अच्छा लगा। यह शायद उनके साथ पिछले वर्ष से किये जा रहे बातचीत के तौर तारीके का असर ही था। अगले समूह से एक पतली सी लड़की आराधना ने पूछा कि अगर यह मधुमक्खी नहीं है तो क्या है सर? मैंने कहा कि यह तितली है। तभी राधा तपाक से बोली कि तितली फूलों का रस पीती है क्या? मैंने कहा कि हां, और तितली का एक वीडियो नेट पर दिखाया जिसमें तितली अपने दो लंबे सुंड से फूलों का रस पी रही थी। मैं आगे बोला कि यदि मधुमक्खी और तितलियां न हों तो फैसलें उगाना लगभग सम्भव नहीं होगा। बच्चे आश्चर्यचकित थे क्योंकि वह परागण की प्रक्रिया से परिचित नहीं थे। मैंने बस इतना कहा कि तितली और मधुमक्खी द्वारा फूलों का रस चूसते समय उनके पैरों, पंखों और सुंड में परागकण चिपक जाते हैं और दूसरे फूल पर बैठने से उसमें चिपक जाते हैं तभी उनमें फल और दाने बनते हैं। बातचीत आगे और बढ़ती इसके पूर्व घंटी लग चुकी थी। मैंने उन्हें परिवेश में उगे फूलों को निकट से अवलोकन-निरीक्षण कर उनके नाम लिखने और तितली का चित्र बनाने का काम दिया और इसी तरह अन्य पुस्तकों के मुखपृष्ठ पर परस्पर बातचीत करने हेतु प्रेरित कर कक्षा से बाहर निकल गया। मैंने पलट कर देखा, बच्चे अपने बस्तों से दूसरी पुस्तकें निकाल उनके मुखपृष्ठ का अवलोकन कर रहे थे। कक्ष के बाहर उगा किशोर कदम्ब का पौधा मुस्कुराने लगा था।

दृष्टिकोण

# भारत लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना के लिए मीलों की यात्रा शेष

कैलाश चन्द्र काण्डपाल

लेखक अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन झारखंड के राज्य प्रमुख हैं।

भारत की राजनीतिक व्यवस्था एक लोकतंत्र के रूप में है और यह उम्मीद की जाती है कि इसके समाज में लोकतांत्रिक मूल्य प्रतिपादित हों लेकिन इस बात पर विमर्श की जरूरत है कि क्या हमारे समाज में लोकतांत्रिक मूल्य वांछित रूप से गहरे में विद्यमान हो पाये हैं। इन लोकतांत्रिक मूल्यों के मुख्य तत्वों को व्यक्ति के लिये न्याय, स्वतंत्रता, समता एवं बंधुत्व के रूप में समझा जा सकता है।

लोकतांत्रिक मूल्यों पर विमर्श करने से पहले मानव समाज में इसकी यात्रा पर विचार करना होगा। लोकतंत्र के राजनीतिक व्यवस्था में स्थापित होने से पहले मानव के सामाजिक विकास क्रम में राजतंत्र की व्यवस्था ही प्रमुखतः विभिन्न रूपों में विद्यमान रही जिसे धार्मिक संस्थाओं ने राजा को ईश्वर के अंश या उसका प्रतिनिधि बताते हुए स्थापित किया। यह परम्परा कमोबेश सारे विश्व में लगभग एक तरह से ही रही। इस तरह की व्यवस्था में लोकतांत्रिक मूल्य पोषित होने की संभावना नहीं थी क्योंकि इसकी संकल्पना ही कुछ ऐसी थी जहां पर आमजन के लिये लोकतांत्रिक मूल्य यथा स्वतंत्रता, न्याय व समता के पर्याप्त अवसर नहीं थे। चूंकि यह व्यवस्था बहुत लम्बे समय तक रही इसलिये समाज की मनःस्थिति में इसकी गहरी छाप रही और इसी के आस-पास सामाजिक ताना-बाना बुन गया जो आज भी किसी रूप में आमजन के मानस में विद्यमान है।

वैश्विक सन्दर्भ में वर्तमान लोकतांत्रिक मूल्यों के स्थापित होने के इतिहास में फ्रांस की क्रान्ति को प्रभावित करने वाले वाल्टेयर, रूसो और मांतेस्क्यू आदि विचारकों के विचार को प्रमुख श्रेय दिया जा सकता है। इस विचारकों के मानवाधिकार एवं लोकतंत्र सम्बन्धी विचारों ने लोकतंत्र एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के विमर्श को बढ़ाया और कालांतर में लोकतंत्र एक महत्वपूर्ण शासन व्यवस्था के विकल्प के रूप में भी स्थापित हुआ। भारत के बारे में आगे आने वाले विमर्श में हमें इस बात का ध्यान रखना होगा कि मानव की सामाजिक एवं राजनीतिक व्यवस्था में लोकतंत्र एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के स्थापित होने का एक इतिहास है। समाज में लोकतांत्रिक मूल्य सहज रूप से विद्यमान नहीं थे बल्कि इनको स्थापित करने की एक यात्रा रही है।

भारत में आज के परिप्रेक्ष्य में लोकतांत्रिक मूल्यों को समझने में हमें इसको तीन स्तरों पर समझना होगा जिससे कुछ स्पष्टता मिलेगी। इन तीन स्तरों पर पहले दो स्तर सामाजिक इकाई से सम्बंधित हैं जैसे कि परिवार और समाज तथा तीसरा शासन तंत्र से सम्बन्धित है।

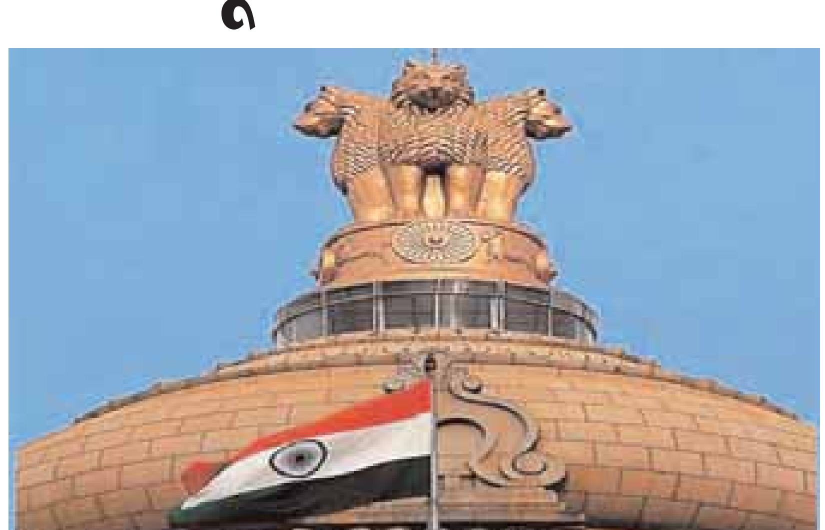

पहले स्तर पर परिवार के संदर्भ में इन मूल्यों का विश्लेषण करें तो यह समझ स्पष्ट रूप में बनेगी कि इस प्रारंभिक इकाई में ही लोकतांत्रिक मूल्यों पर कई सवाल हैं। परिवार में इन मूल्यों के विश्लेषण में हमें देखना होगा कि परिवार में मूलतः शक्ति का केन्द्र कहां पर है। भारतीय समाज में यह केन्द्र मूलतः पितृसत्तामक ही दिखता है। इसके साथ लिंग व आयु के आधार पर भेद और निर्णय लेने के अधिकार में असमानता भी स्पष्ट रूप से सामने आती है। पारिवारिक सन्दर्भ में एक व्यवस्था और दिखती है और वह है परम्परा को एक आदर्श के रूप स्थापित करने का प्रयत्न। अधिकतर यह परम्परा लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत ही होती है क्योंकि इसका ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य होता है जिसमें प्रायः तार्किकता का अधिक महत्व नहीं होता जबकि लोकतांत्रिक मूल्यों में यह ही प्रमुख तत्व है। विचार की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, न्याय व समता आदि मूल्य पारिवारिक व्यवस्था में सहज रूप से स्थापित होते नहीं दिखते हैं और इस सन्दर्भ से मेंह्यड्डु यह समझ में आता है कि परिवार में लोकतांत्रिक मूल्य स्वाभाविक रूप से पल्लवित नहीं होते हैं।

दूसरे स्तर पर समाज में इन मूल्यों के विश्लेषण करने पर यह और जटिल हो जाता है। भारत के सन्दर्भ में समाज की यह जटिलता और प्रमुख रूप से है। यहां न केवल धर्म के आधार पर जटिलता है बल्कि धर्म के भीतर भी जाति और यहां तक कि जाति के भीतर भी यह जटिलता दिखाई देती है। धर्मों में पदानुक्रम नहीं कहा जा सकता लेकिन आपसी भेदभाव की पूरी गुंजाइश बनी रहती है क्योंकि हर धर्म स्वयं को श्रेष्ठ स्थापित करने का प्रयत्न करता है। जाति में यह पदानुक्रम प्रमुखता से आता है। एक जाति का दूसरी जाति से श्रेष्ठ या कमतर होना समाज में स्थापित है यही बात लिंग पर भी लागू होती है। लिंग व जाति के आधार पर होने वाले भेदभाव आज भी भारतीय समाज में व्याप्त हैं। इसी क्रम में आार्थिक आधार का पदानुक्रम भी समाज में स्थापित है। इस तरह के सामाजिक एवं आर्थिक पदानुक्रम या भेदभाव लोकतांत्रिक मूल्यों के विरोध में स्पष्ट रूप से खड़े नजर आते हैं। इस विरोध में समता और न्याय के तत्व मूल रूप से अंतर्निहित है जिसे हमारे सामाजिक मूल्य अधिक स्वाभाविक रूप से अंगीकार नहीं कर पाते हैं।

तीसरे स्तर पर शासन तंत्र है जिसे एक सामाजिक व्यवस्था को बनाये जाने के लिये नियत किया जाता है। इस शासन तंत्र के वांछित रूप से कार्य करने के लिये संविधान है जिसके तहत इस तंत्र को चलना होता है। भारतीय सन्दर्भ में संसदीय प्रणाली के इस लोकतंत्र में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का प्राविधान लोकतंत्र के मजबूत होने का प्रमुख आधार है। वैसे तो यह अधिकार अपने आप में लोकतांत्रिक मूल्यों को स्थापित करने का बड़ा संबल है लेकिन समाज में स्थापित सामाजिक एवं आर्थिक पदानुक्रम इसे प्रभावित करता दिखता है। संविधान से प्रभावित शासन व्यवस्था पर लोकतांत्रिक मूल्यों को आगे ले जाने की जिम्मेदारी है और इसके लिये सार्वभामिक शिक्षा की व्यवस्था भी है जिसका प्रमुख उद्देश्य उन मूल्यों का पोषित करने का है। इस प्रकिया में एक तरह का सामंजस्य तो दिखता है लेकिन यह भी समझ में आता कि तंत्र के स्तर पर इन प्रयासों की दिशा तो ठीक है लेकिन इसकी दशा अभी भी उस अनुरूप नहीं है।

इन तीनों स्तरों के सूक्ष्म अवलोकन से यह स्पष्ट हो जाता है कि हम एक लोकतंत्र के रूप में स्थापित तो हैं लेकिन हमें इन तीनों स्तरों पर लोकतांत्रिक मूल्यों को स्थापित करने में अभी मीलों और चलना है। ऐसा कदापि नहीं है कि हम इस यात्रा में आगे नहीं बढ़ रहे हैं लेकिन यह बात भी हमें स्वीकार करनी चाहिये कि इसकी गति बहुत धीमी है और हमें इसके लिये अभी विशेष प्रयास करने की जरूरत है।

अब सवाल यह उठता है कि इन लोकतांत्रिक मूल्यों को वांछित गति से कैसे स्थापित किया जाय। हालांकि इस बात के लिये शासन तंत्र में एक स्पष्ट एवं सुसंगठित व्यवस्था का प्रविधान सार्वभौमिक शिक्षा के माध्यम से है लेकिन उस शिक्षा के अन्तरण को गुणवत्तापूर्ण तरीके से स्थापित करने की दरकार स्पष्ट रूप से दिखती है। इस के साथ ही शासन के स्तर पर संवैधानिक/लोकतांत्रिक मूल्यों को स्थापित करने के लिये राजनैतिक प्रतिबद्धता की जरूरत है। यहां राजनैतिक प्रतिबद्धता को रेखांकित इसलिये किया जा रहा है कि सशक्त लोकतंत्र में सत्ता को अलग-अलग स्तर पर इन मूल्यों से चुनौती का सामना करना पड़ता है।

भारत विविधता से भरपूर एक अद्भुत देश है। यदि इस देश में लोकतांत्रिक मूल्य प्रभावी रूप से वांछित रूप में पल्लवित होते हैं तो इसमें रहने वाले हर व्यक्ति के लिये यह एक आत्म सम्मान से परिपूर्ण अनुभव होगा और हमारा लोकतंत्र और भी सशक्त होगा। हमें इसके लिये हर स्तर पर विशेष प्रयास करने पड़ेंगे वह भी विशेषकर सार्वभौमिक शिक्षा के क्षेत्र में। लोकतांत्रिक मूल्यों में अन्तर्निहित स्वतंत्रता, न्याय व समता के विचार से ही हम भारत को सामाजिक और आर्थिक प्रगति के पथ पर आगे ले जा पायेंगे। हमारे पास पथ-प्रदर्शक के रूप में इन लोकतांत्रिक मूल्यों के लिये एक सुस्पष्ट एवं सुविचारित संविधान उपलब्ध है। जरूरत है कि हम उसमें विचारित लोकतांत्रिक मूल्यों को आत्मसात करें। यदि हम ऐसा करते हैं तो हम हर स्तर पर लोकतांत्रिक मूल्यों को स्थापित कर पायेंगे।

# सीएम हेल्पलाइन में दर्ज लंबित शिकायतों का आगामी दो दिनों में करें 75 प्रतिशत निराकरण: कलेक्टर

### मेकेनिकल मल कीचड़ कलेक्टिंग वाहन होंगे जीपीएस युक्त, वाहनों के हेल्पलाइन नंबरों को करें सार्वजनिक

**बैतूल।** कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज लंबित शिकायतों का आगामी दो दिनों में 75 प्रतिशत निराकरण किए जाने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों में गंभीरता एवं अति संवेदनशीलता के साथ काम करें और शिकायतों के निराकरण में तेजी लाए। सभी विभागों के अधिकारी विजन डॉक्यूमेंट की सूची तैयार करें। कलेक्टर सोमवार को टीएल बैठक में सभी विभागों के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे।

इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन, संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद सहित अन्य विभागों के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

**राजस्व महाअभियान 2.0-** कलेक्टर ने कहा कि लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए चलाए जा रहे राजस्व महाअभियान 2.0 के अंतर्गत नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, नक्शा दुरुस्तीकरण प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से करें। उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम से अपने-अपने तहसील में राजस्व महाअभियान 2.0 के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण करें।

**वाहनों की जीपीएस मैपिंग की जाए-** कलेक्टर ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेस-2 के अंतर्गत मल कीचड़ प्रबंधन एवं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन हेतु ग्रामीण शहरी अभिसरण के लिए कहा कि ग्रामों से संग्रहित प्लास्टिक अपशिष्ट को अनुबंधित एमआरएफ तक पहुंचाने की व्यवस्था कर कचरे की मात्रा का संधारण करें। संलग्न मेकेनिकल मल कीचड़ वाहनों के हेल्पलाइन नम्बरों को सार्वजनिक स्थानों पर चस्पा कर अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाए।

बैठक में मल कीचड़ प्रबंधन एवं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन हेतु जिला पंचायत बैतूल द्वारा 1335 ग्रामों की कार्ययोजना बनाते हुए संबंधित नगरीय निकायों को प्रस्तुत की गई है। जिस पर नगरीय निकाय द्वारा दूरी के आधार पर उपलब्ध एफएसटीपी/ एमआरएफ की क्षमता का आकलन करते हुए शुल्क का निर्धारण किया गया है। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने मल कीचड़ वाहन का हेल्पलाइन नम्बर एवं वाहनों की जीपीएस मेपिंग करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रतिमाह एफएसएम एवं पीडब्ल्यूएम से प्राप्त होने वाले स्लज एवं कचरे का आकलन कर जनपद पंचायत को अवगत कराने हेतु रिकार्ड संधारित करें। कलेक्टर ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कर उसे वायु दूत, अंकुर एप पर फोटो अपलोड किए जाने के निर्देश सभी विभागों के अधिकारियों को दिए।

**कार्यालयों की दीवारों पर सकारात्मक स्लोगन कराएं अंकित-** कलेक्टर ने अधिकारियों को शासकीय कार्यालयों में प्रेरक व सकारात्मक स्लोगन दीवारों पर अंकित कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी जिला अधिकारी अपने-अपने अधीनस्थ कार्यालयों का नियमित रूप से निरीक्षण करें और उसका निरीक्षण प्रतिवेदन भी जारी करें। इसके अलावा जिले के शासकीय छात्रावासों का हर माह नियमित रूप से निरीक्षण किए जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

**स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के लिये आवश्यक तैयारियां करें-** कलेक्टर ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर गरिमापूर्ण ढंग से कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय सहित सभी स्थानों, शासकीय कार्यालयों और सार्वजनिक भवनों पर 15 अगस्त को रौशनी की जाए। सभी अधिकारी- कर्मचारी कार्यालयों में ध्वजारोहण के बाद मुख्य समारोह में सपरिवार अनिवार्य रूप से भाग लेगें। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम के लिये मुख्य नगर पालिका अधिकारी को आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।

**जीर्ण-शीर्ण भवनों का करें निरीक्षण-** कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को जिले में सार्वजनिक स्थानों पर स्थित जीर्ण-शीर्ण भवनों को देखें, उनमें से जो भवन गिराने योग्य है, उन्हें गिराने की कार्यवाही निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए शुरू करें। इसके अलावा अधिकारी सडकों व पुल-पुलियाओं का नियमित निरीक्षण करें।

## जनप्रतिनिधियों का कुन्बी समाज सेवा संगठन ने किया सम्मान

**बैतूल।** क्षत्रिय लोणारी कुनबी समाज सेवा संगठन के शपथ ग्रहण एवं जनप्रतिनिधियों के सम्मान समारोह का आयोजन रविवार, 4 अगस्त को जयवंती हक्सर शासकीय महाविद्यालय के सभागृह में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्य मंत्री डीडी उइके, बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, विधायक चंद्रशेखर देशमुख, डॉ. योगेश पंडाग्रे और नगरपालिका अध्यक्ष

श्रीमती पार्वती बारस्कर उपस्थित थीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ वीर शिवाजी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात कुन्बी समाज सेवा संगठन की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह हुआ, जिसमें संगठन के अध्यक्ष यशवंत मुन्ना मानकर, सचिव डॉ. उज्जवल पांसे, कोषाध्यक्ष संजय माकोड़े सहित कार्यकारिणी सदस्यों को समाज की वरिष्ठ महिला प्रभाताई वागद्रे ने शपथ दिलाई। इस गरिमामय आयोजन में जिले के जनप्रतिनिधियों का भी संगठन की ओर से शॉल और श्रीफल देकर सम्मान किया गया। सम्मानित होने वाले जनप्रतिनिधियों में केन्द्रीय राज्य मंत्री एवं सांसद डीडी उइके, विधायक हेमंत खंडेलवाल, विधायक चंद्रशेखर देशमुख, विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन सुरेन्द्र कनाठे और भीम धोटे ने किया, जबकि आभार उपाध्यक्ष राजेश गावंडे ने व्यक्त किया।

## वर्मी कम्पोस्ट एवं डेयरी प्रबंधन प्रशिक्षण संपन्न

### मुर्गी-बकरी पालन, वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन के विषय में सीखा

**बैतूल।** सेंट्रल बैंक द्वारा संचालित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान आरएसईटीआई बैतूल द्वारा प्रोजेक्ट उन्नति के अंतर्गत मनरेगा में 100 दिन पूर्ण करने वाले परिवार के हितग्राहियों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए 6 दिवसीय वर्मी कम्पोस्ट एवं डेयरी प्रबंधन प्रशिक्षण सत्र जनपद पंचायत शाहपुर में संपन्न हुआ। आर सेटी की डायरेक्टर मंजूषा आठवले ने बताया कि 35 हितग्राहियों को वर्मी कम्पोस्ट एवं डेयरी प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया एवं समापन अवसर पर प्रमाण पत्र वितरण किए। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षणार्थी बैंक से ऋण लेकर अपना रोजगार स्थापित कर सकता है जिसके लिए हम पूरा सहयोग व मार्गदर्शन करेंगे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी अमित दुबे ने सभी को स्वरोजगार करने की सलाह दीं। फैकल्टी सोनम धोटे ने बताया की आरसेटी द्वारा मुर्गी पालन, बकरी पालन, वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन एवं डेयरी प्रबंधन, सिलाई, ब्युटी पार्लर, आदि का निशुल्क प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार स्थापना मे टेक्निकल मार्गदर्शन किया जाता है और बैंक से ऋण दिलाने में भी सहयोग किया जाता है। प्रशिक्षणार्थी अंकु उइके नें बताया की यह प्रशिक्षण में हमें श्री वर्मा ने पशुपालन डेयरी प्रबंधन पशुओं के रखरखाव, उनकी बीमारियों से बचाव के उपाय, टीकाकरण,दूध उत्पादन बढ़ाने के संबंध में एवं वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन के बारे में सिखाया बैंक से लोन लेने की विभिन्न योजनाओं के बारे मे भी बताया हमें बहुत कुछ सीखने को मिला। अंत में सभी को प्रमाण पत्र वितरण किए गए। इस अवसर पर जनपद पंचायत शाहपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अमित दुबे, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती आराधना शाक्य एवं आरसेटी बैतूल से डायरेक्टर मंजूषा आठवले, फेकल्टी श्रीमती सोनम धोटे, प्रशिक्षक (मास्टर ट्रेनर) मनोज वर्मा उपस्थित रहे।

## 8 अगस्त को कैबिनेट मंत्री दर्जा दिनेश कुमार अंगारिया आएंगे बैतूल

**बैतूल।** अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा मप्र राज्य स्तरीय भारिया विकास प्राधिकरण दिनेश कुमार अंगारिया 8 अगस्त को बैतूल प्रवास पर रहेगे। श्री अंगारिया इनोवा कार से सुबह 10 बजे स्थानीय सर्किट हाउस पहुंचेगे। सुबह 10.30 बजे सुभाष वार्ड में कार्यकर्ताओं से भेंट करेंगे। इसके बाद दोपहर 12.15 बजे रानीपुर में पौधारोपण एवं जनजातीय समाज बंधुओं से संवाद कार्यक्रम में शामिल होगे। दोपहर 3.30 बजे रानीपुर से बैतूल के लिए प्रस्थान कर 4.40 बजे आजाद वार्ड बैतूल में अल्पाहार के बाद पुनरू सर्किट हाउस पहुंचेगे। सायं 5.20 बजे बैतूल से गृह निवास की ओर प्रस्थान करेगे।

## जिला सैनिक कल्याण अधिकारी 8 अगस्त को सारणी दौरे पर

**बैतूल।** कैप्टन (आई.एन.) सुमित सिंह (से.नि.) जिला सैनिक कल्याण अधिकारी 8 अगस्त को सारणी दौरे पर रहेगे। इस दौरान श्री सिंह दोपहर 2 बजे से 3.30 बजे तक सारणी नगर पालिका के सभाकक्ष में भूतपूर्व सैनिकों, दिवंगत सैनिकों की पत्नियों की समस्याओं को सुनेंगे। उन्होंने घोड़ाडोंगरी, सारणी में निवासरत सभी भूतपूर्व सैनिकों एवं शहीद सैनिकों की पत्नियों से यथा समय उपस्थित होने का अनुरोध किया है।

## भारी बारिश से नदी-नाले उफान पर, नागद्वारी मेले का मार्ग किया परिवर्तित

**बैतूल।** सावन माह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा मोरखा नागदेव मंदिर सहित पचमढ़ी नागद्वारी की यात्रा की जा रही है। मुलताई सहित आसपास के क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से नदी नालों में उफान की स्थिति बनी हुई है। जिसको लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा अलर्ट जारी कर दिया गया है। मोरखा नागदेव मंदिर से नवेगांव मनकुघाटी रोड का कार्य प्रगति पर होने से नागद्वारी मेले में जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पुलिस प्रशासन बैतूल एवं छिंदवाड़ा द्वारा दुनावा, लावाघोगरी, सावरी, मोरडोंगरी, परासिया, तामिया होते हुए।

# पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल, टीआई से लेकर आरक्षक तक के तबादले

**बैतूल।** एसपी निश्चल झारिया ने सोमवार को महकमे में अधिकारियों और कर्मचारियों की पदस्थापना में फेरबदल किया है। इसमें निरीक्षक से लेकर आरक्षक तक प्रभावित हुए हैं। कुल 39 पुलिस अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों को इधर से उधर किया गया है। इसमें बीते माह माह हुए 2 थाना प्रभारियों के स्थानांतरण निरस्त भी किए गए हैं। जारी आदेश में 25 दिन पहले आठनेर के थाना प्रभारी बनाए गए कार्यवाहक निरीक्षक विष्णु प्रसाद मौर्य को लाइन अटैच कर दिया है। उनके स्थान पर निरीक्षक बबीता उइके को आठनेर थाने की कमान सौंपी गई है। वे फिलहाल महिला थाना की प्रभारी थीं। इसके अलावा 16 जुलाई को जारी आदेश में स्थानांतरित किए गए मुलताई थाना प्रभारी राजेश सातनकर और बैतूल गंज थाना प्रभारी रविकांत डेहरिया के स्थानांतरण आदेश निरस्त कर दिए गए हैं। अब श्री सातनकर मुलताई और श्री डेहरिया गंज थाना प्रभारी बने रहेंगे।

**इन उप निरीक्षकों का तबादला-** इनके अलावा स्थानांतरित किए उप निरीक्षकों और कार्यवाहक उप निरीक्षकों में उत्तम नंदन मसतकार को बैतूलबाजार से चौकी प्रभारी दुनावा, दिलीप यादव गंज से चौकी प्रभारी भीमपुर, संतोष सिंह नागवे कंट्रोल रूम से चौकी प्रभारी दामजीपुरा, नीरज खरे चौकी प्रभारी दुनावा से थाना मुलताई, बलराम यादव भीमपुर से आमला, नरेंद्र उइके कंट्रोल रूम से आमला, भानुप्रताप सिंह बुंदेला कोतवाली से मुलताई स्थानांतरित किए गए हैं। उप निरीक्षक पंचम सिंह उइके जिविशा से कोतवाली, दयाशंकर सिंह कोतवाली से शाहपुर, वाहिद खान आमला से कोतवाली, कन्हैयालाल गंजाम लाइन से सारणी, रणधीर सिंह राजपूत डीसीबी से गंज, रामस्वरूप रघुवंशी डीसीआरबी से बैतूलबाजार और विनोद मालवीय जिविशा से मुलताई स्थानांतरित किए गए हैं।

**स्थानांतरित सहायक उप निरीक्षक-** स्थानांतरित किए गए सहायक उप निरीक्षक और कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षकों में रमेश कुमार धुर्वे चोपना से रक्षित केंद्र, मुलायम सिंह मौर्य चिचोली से शाहपुर, मुज्जफर हुसैन मोहदा से चिचोली, रामदयाल बर्मन रक्षित केंद्र से आठनेर, निखलेश कुमार ठाकुर शाहपुर से चिचोली, राजकुमार पहाड़े आमला से मोहदा, कोमल प्रसाद खेड़ले रक्षित केंद्र से यातायात थाना स्थानांतरित किए गए हैं।

**आठ हवलदारों का तबादला-** जारी आदेश में प्रधान आरक्षकों को भी स्थानांतरित किया है। इसमें रोहित टेकाम मोहदा से यातायात, सविता पवार अजाक से आठनेर, ललिता परते महिला थाना से चिचोली, शुभम चौबे रक्षित केंद्र से कोतवाली, बसंत उइके सारणी से आमला, गीता मरावी महिला थाना से गंज, शांता बर्डे अजाक से कोतवाली, नरेंद्र कुमार साहू कोतवाली से अजाक थाना स्थानांतरित किए गए हैं।

**आधा दर्जन आरक्षक इधर से उधर-** इसके साथ ही आधा दर्जन आरक्षकों को भी इधर से उधर किया गया है। इनमें दुर्गेश ठाकुर आमला से सारणी, अमित बुनकर चोपना से रक्षित केंद्र, हीरालाल रक्षित केंद्र से सारणी, दुर्गेश चौरे गंज से यातायात, रोहित मारन रक्षित केंद्र से शाहपुर, किशोर कुमार साहू आठनेर से रक्षित केंद्र भेजे गए हैं।

## कलेक्टर ने 135 आवेदनों पर की जनसुनवाई

**बैतूल।** कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने मंगलवार को 135 आवेदनों पर जनसुनवाई की। श्री सूर्यवंशी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का गंभीरतापूर्वक निराकरण किए जाने के निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

**वार्डवासियों ने की पट्टे की मांग-** जनसुनवाई में दुर्गा वार्ड क्रमांक-3 के वार्डवासियों ने पट्टा एवं रोड, नाली, बिजली जैसी मुलभूत सुविधाएं प्रदान किए जाने की मांग की। आवेदन के माध्यम से वार्डवासी राधेश्याम सिहाने ने बताया कि लगभग 25 वर्षों से 450 परिवार बस्ती

में निवासरत है। वार्ड में सडक, नाली, बिजली जैसी मुलभूत सविधा नहीं होने से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा पट्टा दिए जाने कई बार आवेदन भी दे चुके है। आवेदन में उल्लेख किया है कि वार्ड में सडक एवं नाली निमार्ण कार्य स्वीकृत हो चुका है, लेकिन नगर पालिका को बजट नहीं होने से उक्त निर्माण कार्य अधूरे पड़े है। वार्ड में नाली नहीं होने से घरों से निकलने वाला गंदा पानी रोड पर पड़ा रहा है। इससे आवागमन में परेशानी होती है। वहीं वार्ड में कचरा गाड़ी भी नहीं आती है। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को जांच कर प्रकरण का निराकरण किए जाने के निर्देश प्रदान किए है।

**भूमि का सर्वे कराए जाने की मांग-** शाहपुर तहसील के ग्राम मालसिलपटी निवासी दिनेश जोहरी ने आवेदन के माध्यम से भूमि का उचित सर्वे कराए जाने की मांग की। आवेदन के माध्यम से बताया कि जमीन का सर्वे किए जाने के लिए शाहपुर एसडीएम को आवेदन दिया था। जल संसाधन उपसंभाग शाहपुर के द्वारा एसडीएम को प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसमें झूठी जानकारी बताई गई थी। जबकि मौके पर कोई सर्वे नहीं किया गया। झूठे प्रतिवेदन के चलते उन्हें न्याय नहीं मिल पाया है। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने संबंधित अधिकारी को जांच के निर्देश दिए।

**पीएम किसान सम्मान निधि-** बैतूल के चक्कर रोड सोनाहिल निवासी अजय पवार ने पीएम किसान सम्मान निधि की राशि नहीं मिलने संबंधी आवेदन दिया। आवेदन के माध्यम से बताया कि पीएम किसान सम्मान निधि क्रमांक 296086471 की राशि अप्राप्त है। इसकी शिकायत सीएम हेल्पलाइन में भी दर्ज की, लेकिन आज तक न्याय नहीं मिला है। इसके अलावा बैतूल एवं घोड़ाडोंगरी तहसील में भी आवेदन दिया, परंतु निराकरण नहीं हुआ। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर ने घोड़ाडोंगरी तहसीलदार को आवश्यक कार्रवाई किए जोन के निर्देश दिए।

**अतिथि शिक्षक को 4 माह से नहीं मिला वेतन-** सारणी के ग्राम सुखाढ़ाना निवासी अतिथि शिक्षक पूजा लिल्होरे ने आवेदन के माध्यम से 4 माह से वेतन नहीं मिलने की शिकायत की। आवेदन में उल्लेख किया कि शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घोड़ाडोंगरी में माह जुलाई 2023 से फरवरी 2024 तक अतिथि शिक्षक वर्ग-1 गणित विषय के पद पर कार्यरत रही। लोक शिक्षण संचालनालय मध्य प्रदेश के आदेशानुसार शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घोड़ाडोंगरी में माह अक्टूबर से फरवरी माह तक कार्य किया।

## सीएम के कार्यक्रम को लेकर एसडीएम व सीईओ ने ली जनप्रतिनिधियों की बैठक

**बैतूल।** भैंसदेही में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 12 अगस्त को भैंसदेही में प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर जनपद पंचायत भैंसदेही के सभाकक्ष में एसडीम शैलेंद्र हनोतिया एवं जनपद सीईओ जितेंद्र सिंह ठाकुर ने जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की बैठक लेकर मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की जानकारी प्रदान की तथा सीएम के कार्यक्रम में अधिक से अधिक लाड़ली बहनों को शामिल करने की कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक में पार्किंग तथा भोजन व्यवस्था पर भी मंथन किया गया ।बैठक में जनपद अध्यक्ष श्रीमती यशवंती संजय धुर्वे,नगर परिषद अध्यक्ष मनीष सोलंकी,जनपद उपाध्यक्ष पवन परते, भाजपा नेता अनिल सिंह ठाकुर, प्रदीप सिंह ठाकुर,देवीसिंह ठाकुर, ऋषभदास सावरकर, केसर लोखंडे ,दिनेश वागद्रे,देवीदास खाड़े, कैलाश शिवहरे,धनराज साहू,विलाश जोशी, प्रहलाद देशमुख, आनंद राठौर, संजू चिल्हाटे सहित अन्य नेता गण, पार्षद,जनपद सदस्य एवं सभी विभागों के खंड स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

# कलेक्टर ने लगातार तीसरे दिन किया जिला अस्पताल का निरीक्षण

## अस्पताल परिसर की रिक्त भूमि को बनाएं ग्रीन जोन

**बैतूल।** कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने लगातार तीसरी बार जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पताल में अव्यवस्थाएं मिलने पर सुधार के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अस्पताल के शिशु वार्ड, महिला एवं पुरुष वार्ड में भर्ती मरीजों से मुलाकात कर स्वास्थ्य सेवा की जानकारी ली। इस दौरान मरीजों के पास अतिरिक्त परिजनों के रूकने पर उन्हें समझाइश दी और पास के सिस्टम को फॉलो करने के निर्देश दिए। उन्होंने ओपीडी स्लीप कक्ष में जाकर पर्ची के पैसे अलग-अलग रखे जाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम राजीव कहार, सिविल सर्जन डॉ. अशोक बारंगा, सीएमओं ओमपाल भदौरिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

**गंदगी मिलने पर जताई नाराजगी-** निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में निकासी का पानी एकत्रित होने पर कलेक्टर ने संबंधित को फटकार लगाई और भुगतान रोके जाने के आदेश दिए। इसके अलावा जिला अस्पताल भवन के सामने स्थित परिसर की सफाई कर उसे ग्रीन पार्क के रूप में विकसित किए जाने के नगर पालिका अधिकारी को निर्देश दिए।

**कंडम भवनों को गिराया जाए-** कलेक्टर ने जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर के सामने स्थित जीर्ण-शीर्ण कंडम भवनों एवं भोजन शाला भवन को डिस्मेंटल किए जाने के निर्देश दिए। इस दौरान जीर्ण-शीर्ण भवनों के आस पास गंदगी एवं गांजर घास की सफाई किए जाने एवं अस्पताल के सामने वाहन खड़े मिलने पर चालानी कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने अस्पताल परिसर में पड़ी रिक्त भूमि का समतलीकरण कर उस पर शेड बनवाकर एम्बुलेंस पार्किंग की व्यवस्था बनाए जाने के निर्देश दिए।

# इंदौर के विशेषज्ञ चिकित्सक मनावर आकर करेंगे मरीजों का नि: शुल्क उपचार

## ● स्वास्थ्य परीक्षण–मेगा हेल्थ कैम्प 11 अगस्त को

**धार।** कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने मनावर के बालीपुर रोड स्थित लायंस जूनियर कॉलेज परिसर में रविवार 11 अगस्त को आयोजित होने वाले स्वास्थ्य शिविर के संबंध में गूगल मिट से सभी अधिकारियों की बैठक लेकर सभी व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश संबंधितों को दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधा और परामर्श देने के लिए निःशुल्क मेगा हेल्थ कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। इससे पहले सरदारपुर के ग्राम बरमंडल में कैम्प लगाया जा चुका है। इसी श्रृंखला के तहत मनावर में ये निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण के लिए मेगा हेल्थ कैम्प का आयोजन रखा गया है। हेल्थ कैम्प में दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों के विभिन्न बीमारियों की स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श, अत्याधुनिक मशीनों से जांच एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएगी। शिविर में इंदौर के विशेषज्ञ चिकित्सक ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनका उपचार करेंगे।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने मेगा हैल्थ कैम्प के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने संबंधित निर्देश दिये। हैल्थ कैम्प में केंसर, सिकलसेल, टीबी, लेप्रोसी, सिलोकोसिस, दंत, नेत्र सहित अन्य गंभीर बीमारियों से प्रभावितों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जायेगा। कैम्प में विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जांच भी होगी। दवाओं का निःशुल्क वितरण भी किया जायेगा। शिविर में चिन्हांकित विभिन्न बीमारियों से ग्रसित व्यक्तियों के इलाज, ऑपरेशन आदि की आगे की कार्यवाही भी सुनिश्चित की जाए। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि संभागायुक्त दीपक सिंह ने समस्त चिकित्सा संस्थाओं को इन शिविरों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने तथा शिविर में चिन्हांकित गंभीर बीमारियों से ग्रसित व्यक्तियों के इलाज हेतु आगे आकर सहयोग का आह्वान किया है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि कैम्प आयोजन के पश्चात मरीजों का फालोअप अनिवार्य से किया जाए।कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देश दिए कि कैम्प में स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ दिव्यांगजनों के मेडिकल प्रमाण पत्र, सामाजिक न्याय विभाग की योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किये जाए। शिविर में आयुष विभाग तथा आयुष्मान से संबद्ध निजी चिकित्सालयों द्वारा भी अपनी सेवाएं दी जाएंगी। जिले के दूरस्थ क्षेत्रों के मरीजों को केम्प तक लाने ले जाने की व्यवस्था की जायेगी।उन्होंने बताया कि हेल्थ कैंप की तैयारियां व्यापक स्तर पर चल रही है। कैम्प में विशेषज्ञ डॉक्टर अपनी सेवाएं देंगे, जिसमें एमजीएम मेडिकल कॉलेज इन्दौर, इंडेक्स मेडिकल कॉलेज इंदौर ,चोइथराम नेत्रालय इंदौर,इंदौर कैंसर फाउंडेशन,विशेष ज्यूपिटर अस्पताल इंदौर,मेदांता अस्पताल इंदौर,चोइथराम अस्पताल इंदौर,केयर सीएचएल अस्पताल इंदौर सहित अन्य प्राइवेट अस्पतालों के विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाएं देंगे। कैम्प में मरीजों के पंजीयन के लिए व्यवस्था भी रहेगी। बताया गया कि चिन्हित मरीजों का वैज्ञानिक रूप से डाटाबेस तैयार कर उनकी लगातार मॉनिटरिंग और फॉलोअप किया जायेगा। इसके लिए एक विशेष व्यवस्था भी जा रहा है। जिससे मरीज और उनकी बीमारी तथा उसे उपलब्ध उपचार की जानकारी का रिकॉर्ड रहे । उन्होंने जिले एवं आसपास के क्षेत्र के आमजन से निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण मेगा हेल्थ कैम्प का लाभ लेने का आह्वान किया है।साथ ही अपने साथ आधार,समग्र आईडी और परिचय पत्र भी लाने को कहा गया है।

## विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर

**नरसिंहपुर।** म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देषानुसार एवं माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री कमल जोशी के मार्गदर्शन में सेन्ट ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान नरसिंहपुर में नालसा, गरीबी उन्मूलन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन योजना 2015 अंतर्गत विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन

दिनांक 06.08.2024 को आयोजित किया गया। उक्त शिविर में जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरसिंहपुर श्री वैभव सक्सेना द्वारा सेन्ट ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान नरसिंहपुर में कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली स्त्रियों को स्त्रियों से संबंधित विधियों के बारे में जागरूक किया एवं 01 जुलाई से लागू नवीन विधियों, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, न्यूनतम वेतन अधिनियम, समान वेतन अधिनियम के साथ ही विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यो व उद्देश्यो, निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने के लिये योग्य व्यक्तियो आदि की जानकारी प्रदान की उक्त अवसर पर एल.डी.एम. श्री जयदेव विष्वास, संस्थान की निर्देषक श्रीमती अनामिका मल्ल, संकाय सदस्य श्री आशीष नामदेव, कार्यालय सहायक श्री गगन शर्मा, श्रीमती सिन्धू शर्मा, श्रीमती शिखा कुशवाहा, पैरालीगल वॉलेन्टियर श्री गनेष कुशवाहा, श्री मुकेश चैरसिया, गोपाल व्यौहार सहित प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाऍं उपस्थित रही।

## जन्म दिन को जड़ी बूटी दिवस के रूप में मनाया

**नरसिंहपुर।** महिला पतंजलि योग समिति नरसिंहपुर की पदाधिकारीयों द्वारा आधुनिक युग के धनवंतरी आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण महाराज के जन्म दिन को जड़ी बूटी दिवस के रूप में मनाया गया। यह कार्यक्रम शंकराचार्य वार्ड नरसिंहपुर की आंगनवाड़ी में आयोजित किया गया। जिसमें महिला पतंजलि की पदाधिकारीयों द्वारा आंगनवाड़ी में पौधारोपण कर शंकराचार्य वार्ड के ही प्राइमरी स्कूल में बच्चों को जड़ी बूटी दिवस के विषय में विस्तृत जानकारी दी एवं बच्चों के बीच पठन-पाठन सामग्री वितरित की गई, पौधारोपण कार्यक्रम में अपराजिता अजवाइन मीठी नीम एलोवेरा तुलसी पत्थरचट्टा आदि अन्य और भी जड़ी बूटियों के पौधे स्थापित किए गए ,कार्यक्रम में नरसिंहपुर की जिला महामंत्री श्रीमती सुषमा मिश्रा , तहसील महामंत्री श्रीमती मंजू श्रीवास्तव , तहसील प्रभारी श्रीमती भारती कौरव ,सहयोग शिक्षिका श्रीमती नमिता कौरव एवं आंगनबाड़ी सहायिका, कार्यकर्ता, स्कूल प्रबंधन और बच्चों की सराहनीय उपस्थित रही। फोटो पहचान एनएसपी 2

## भाजपा की जिला बैठक आज

**नरसिंहपुर।** भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय नरसिंहपुर मे आज दिनांक 7/8/2024 दिन बुधवार को दोपहर 12:30 बजे से आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों के लेकर जिला बैठक का आयोजन किया गया है जिसमें भाजपा जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, विधायक गणों एवं वरिष्ठ नेता गणों का कार्यक्रमों को लेकर मार्गदर्शन प्राप्त होगा उक्त महत्वपूर्ण बैठक में पार्टी संगठन के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, जिला पदाधिकारीयों, मंडल अध्यक्षों, मोर्चा अध्यक्षों, प्रकोष्ठ संयोजकों सहित सभी संबंधितों से उपस्थिति की अपील जिला संगठन द्वारा की गई है।

## जनसुनवाई में आये 102 आवेदन

**नरसिंहपुर।** कलेक्टर कार्यालय नरसिंहपुर के जनसुनवाई हाल में मंगलवार 6 अगस्त को जिले के विभिन्न स्थानों से पहुंचे लोगों ने कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले को अपनी समस्यायें बताई और आवेदन दिये। कलेक्टर ने लोगों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवेदनों के समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिये। उन्होंने विभिन्न आवेदनों का मौके पर भी निराकरण कराया। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह व सहायक कलेक्टर श्री शुभम यादव ने भी लोगों की समस्यायें सुनी, आवेदन लिए और समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिये। कलेक्ट्रेट में हुई जनसुनवाई में 102 आवेदन आये।

## जिले के गंजबासौदा में संचालित भवन विहीन आंगनबाड़ी केन्द्रों की जानकारी

**विदिशा।** विदिशा जिले के गंजबासौदा में संचालित भवन विहीन आंगनवाी केंद्रों की जानकारी देते हुए परियोजना अधिकारी ने बताया कि विदिशा जिले के गंजबासौदा-1 में भवन विहीन आंगनबाड़ी केन्द्रों की संख्या कुल 167 है। जिनमें ग्राम पंचायत व नगर पालिका क्षेत्र के विभिन्न विर्डोऔ में संचालित आंगनबाी केंद्र शामिल हैं। कार्यालय एकीकृत बाल विकास परियोजना, गंजबासौदा द्वारा इन भवन विहीन आंगनबाी केन्द्रों की ग्राम व वार्ड वार सूची जारी की गई है।

## जिले में बीते 24 घंटे में प्रातः 8 बजे तक 20.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

**सीहोर।** जिले में बीते 24 घंटे में प्रातः 08 बजे तक 20.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। वर्षामापी केन्द्र सीहोर में 30.4 मिलीमीटर, श्यामपुर में 38.0, आष्टा में 12.0, जावर में 10.0, इछावर में 27.0, भैरूंदा में 13.3, बुधनी में 19.3, रेहटी में 16.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।जिले में 01 जून से 05अगस्त में प्रातः 8 बजे तक 744.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। गत वर्ष इसी अवधि में औसत वर्षा 662.1 मिलीमीटर थी। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1148.4 मिलीमीटर है। अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 01 जून से 05 अगस्त 2024 तक जिले के वर्षामापी केन्द्र सीहोर में 929.2 मिलीमीटर, श्यामपुर में 812.5, आष्टा में 687.0, जावर में 480.0, इछावर में 960.5, भैरूंदा में 576.7, बुधनी में 722.5 तथा रेहटी में 787.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

# मूंग लूट का मुख्य आरोपी पूणे महाराष्ट्र से गिरफ्तार, कार, ट्रेक्टर ट्राली, नगदी, कुल मशरूका 55 लाख का जप्त

**हीरालाल गोलानी सोहागपुर।** सोहागपुर पुलिस टीम ने लूट के मुख्य आरोपियों को पूरे महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है।लूट में प्रयुक्त स्वीफ्ट डिजायर कार, दो ट्रेक्टर ट्राली के अलावा 5 लाख 90हजार रूपये नगद,11टन मूंग कुल 55लाख 40हजार रूपए मशरूका जप्त करने में सफलता प्राप्त की है।0 इस सगीन लूट के मामले में पुलिस अधीक्षक म डॉ गुरकरण सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशुतोष मिश्र का कुशल निर्देशन एवं एसडीओ पुलिस संजू चौहान के मार्गदर्शन में नगर निरीक्षक कंचनसिंह के नेतृत्व में सोहागपुर पुलिस ने लूट के मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार करने तथा संपूर्ण लूटा माल बरामद करने में सफलता प्राप्त की है।

नगर निरीक्षक कंचनसिंह ने बताया इसके पूर्व गिरफ्त में आए मूंग लूट के आरोपियों ने पूछताछ में अन्य आरोपियों की संलिप्ता भी बताई गई। विश्वनीय मुखबीर से सूचना मिली थी ।कि मामले के मुख्य आरोपी अंकित पटेल एवं रामकुमार गुर्जर नागपुर से पुणे महाराष्ट्र तरफ भाग निकले हैं। सोहागपुर पुलिस ने तत्काल एक पुलिस टीम तैयार कर आरोपियों की तलाश के लिए पुणे महाराष्ट्र रवाना किया था । जिसमें अंकित एवं रामकुमार को पूणे रेल्वे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया गया । आपने आगे बताया कि आरोपियों को सोहागपुर में माननीय न्यायालय पेश कर पुलिस रिमांड में लिया गया। घटना की संबंध में पूछताछ की गई। जिसमें आरोपीगण अंकित एवं रामकुमार ने घटना स्वीकार की। यह भी जानकारी दी कि काफी दिनों से अंकित पटेल, रामकुमार पटेल, अभिषेक पुर्विया उर्फ पलिया, रितेश केवट उर्फ रामदेव जल्द ही पैसा कमाने के उद्देश्य से मंडी के आसपास रैकी कर रहे थे। तथा लोगों को लूटने की योजना बनाई गई थी। आरोपीगण यह सोचते थे किअभी मूंग की तुलाई के कारण पैसे की काफी आवक जावक है। इसी तारतम्य में आरोपीगणों ने पिपरिया मंडी के आसपास दिन रात रैकी की। इसी दौरान फरियादी सुरेश साहूके मूंग के ट्रक को टारगेट किया था। चूकि आरोपीगण यह बात जानते थे कि सुरेश साहू के ट्रक के ड्रायवर व हेल्पर सीधे साधे है इसी बात का फायदा उठाकर आरोपीगण द्वारा लूट की घटना को कारित किया। पुलिस सभी आरोपीगण-अभिषेक पुर्विया उर्फ पलिया पिता अशोक पुर्विया उम्र 20 साल निवासी पिपरियारीतेश केवट उर्फ रामदेव पिता स्व. पप्पु केवट उम्र 19 साल निवासी हम्माली मोहल्ला तिलक वार्ड पिपरिया,रोहन नोरिया नाइके नेपाली पिता बाबूलाल नोरिया उम्र 19 साल निवासी बैनर्जी कलीरेपीरिया,ऋषभ नोरिया उर्फ बाबी पिता राजेश नोरिया उम्र 23 साल निवासी बैनर्जी कालोनी पिपरिया,रोहित नोरिया उर्फ मालाजी पिता राजेश नोरिया उम्र 24 साल निवासी बैनर्जी कालोनी पिपरिया, शिवा ठाकुर पिता राजेश ठाकुर उम्र 23 साल निवासी लोहिया वार्ड पिपरिया , अंकित पटेल पिता गोपाल पटेल उम्र 25 साल निवासी हथवास पिपरिया एवं रामकुमार पटेल उर्फ मम्मा पिता रामसिंग गुर्जर उम्र 25 साल निवासी चांदीखेड़ी पिपरिया गिरफ्तार किया है।

महत्वपूर्ण भूमिका- निरीक्षक कंचन सिंह, उनि प्रवीण यादव, सउनि सुनील भंवर, सउनि वरूण सिंह, प्रधान आर. प्रकाश सिंह, प्रधान आर. अरविंद चौबे, प्रधान आर. राजाराम बाबरिया, आर. दिनेश धुर्वे, आर. नरेन्द्र पटेल, आर. अनिल पाल, आर. बलराम सोदे, आर. राजेन्द्र सिंह तोमर, आर. राहुल पंवार, आर. रोहित ठाकुर, आर. सुनील उमरिया की आरोपियो की गिरफ्तारी एवं माल बरामदगी में महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

### महत्वपूर्ण भूमिका

निरीक्षक कंचन सिंह, उनि प्रवीण यादव, सउनि सुनील भंवर, सउनि वरूण सिंह, प्रधान आर. प्रकाश सिंह, प्रधान आर. अरविंद चौबे, प्रधान आर. राजाराम बाबरिया, आर. दिनेश धुर्वे, आर. नरेन्द्र पटेल, आर. अनिल पाल, आर. बलराम सोदे, आर. राजेन्द्र सिंह तोमर, आर. राहुल पंवार, आर. रोहित ठाकुर, आर. सुनील उमरिया की आरोपियो की गिरफ्तारी एवं माल बरामदगी में महत्वपूर्ण भूमिका रही।

### इस मामले के अलावा पिपरिया में दर्ज प्रकरण

मामले के आरोपी अंकित पटेल, बाबी उर्फ ऋषभ, अभिषेक उर्फ पलिया, रोहित नोरिया, रोहण नोरिया के पूर्व से ही अपराधिक रिकार्ड है। आरोपी अंकित पटेल के विरूद्ध थाना पिपरिया मेंअपराध क्र. 80/21, 244/21, 11/22, 515/23 के पंजीबद्ध है जो कि मारपीट, जान से मारने की धमकी देना एवं एससी, एसटी एक्ट एवं जुआँ एक्ट के पंजीबद्ध है। आरोपी अभिषेक उर्फ पलिया के विरूद्ध थाना पिपरिया में अपराध क्र. 383/24, 93/24, 195/24, 206/24, 37/22 पंजीबद्ध है जो कि मारपीट, जान से मारने की धमकी देना एवं चोरी के अपराध पंजीबद्ध है। आरोपी बाबी उर्फ ऋषभ के ऊपर थाना पिपरिया में अपराध क्र. 211/20, 351/21 इस्तगासा क्र. 09/20 पंजीबद्ध है जो कि अड़ीबाजी, अवैध हथियार रखना, मारपीट, जान से मारने की धमकी देने के पंजीबद्ध है। आरोपी रोहित नोरिया के विरूद्ध थाना पिपरिया में अपराध क्र. 320/22 पंजीबद्ध है जो कि मारपीट, अवैध हथियार रखने के पंजीबद्ध है। आरोपी रोहण नोरिया के विरूद्धथाना पिपरिया में अपराध क्र. 205/24 का पंजीबद्ध है जो कि मारपीट करने, जान से मारने की धमकी देने, तोड़फोड़ करने के पंजीबद्ध है। आरोपी रामदेव उर्फ रितेश केवट के विरूद्ध थाना पिपरिया में अपराध क्र. 432/23 का पंजीबद्ध है जो कि अवैध रूप से जुआँ खेलने का है।

## गोटेगांव में सट्टा के खिलाफ पुलिस का विशेष अभियान

**नरसिंहपुर।** पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार के निर्देशन में जुआ/सट्टे के कारोबार के विरूद्ध चलाया जा रहा विशेष अभियान, थाना गोटेगांव अंतर्गत एक आरोपी सटटा पटटी काटते पकड़ाया, लगभग 16 हजार नगद एवं सट्टा लिखने की सामग्री जप्त। उल्लेखनीय है कि जिले में जुआ/सट्टा जैसे अवैध कारोबार पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाने हेतु अवैध कारोबारियों की धरपकड एवं अपराध एवं अपराधियों पर पूर्णतः नियंत्रण हेतु जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस अधीक्षक, श्री अमित कुमार के कुशल नेतृत्व में जिले के सभी एसडीओपीयों के मार्गदर्शन में लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत जुआ/सट्टा के कारोबार में लिप्त व्यक्तियों की धरपकड की जा रही है। जिला अंतर्गत जुआ/सट्टा के अवैध कारोबार में लिप्त अपराधियों की सूचना प्राप्त करने हेतु सक्रीय किए गए है मुखबिर जिला अंतर्गत चलाए जा रहे अभियान के तहत विभिन्न थाना क्षेत्रों में मुखबिर तंत्र को सक्रीय कर सूचना एकत्रित की जा रही है। सूचना प्राप्त होते ही विशेष टीमों का गठन कर जिले में सक्रीय सटोरियों एवं जुआडियों की लगातार धरपकड की जा रही है। थाना गोटेगांव अंतर्गत, एक सटोरिया पुलिस की पकड़ मे ~* मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुये पुलिस अधीक्षक के कुशल नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक 5 अगस्त 2024 को आरोपी मोहित पिता मानसिंह उम्र 27 वर्ष निवासी नया बाजार गुरु नानक वार्ड गोटेगांव, थाना गोटेगांव, जिला नरसिंहपुर द्वारा अवैध रूप से सट्टा पट्टी लिखकर लाभ अर्जित करते पाये जाने पर उसके पास से नगदी 16017 रुपये, सट्टा पट्टी एवं एक डॉट पेन जप्त कर उसके विरूद्ध अपराध क्रमांक 680/2024 धारा 4 (क) सट्टा अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई है। सटोरियों को पकडने में इनकी रही मुख्य भूमिका थाना गोटेगांव अंतर्गत सट्टा पट्टी काटते हुए एक आरोपी को पकड़ने में थाना प्रभारी, गोटेगांव निरीक्षक सहदेवराम साहू उनि संध्या पटेल, प्रधान आरक्षक सागर सोनकर, आरक्षक शुभम, आरक्षक प्रशांत की मुख्य भूमिका रही है।

## जिले की चिन्हित शासकीय शालाओं में अध्ययनरत 10 वर्ष एवं 16 वर्ष के विद्यार्थियों को लगेगा डीपीटी/ टीडी का टीका

नरसिंहपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार प्रदेश में डीपीटी/ टीडी का टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले में प्रथम चरण माह अगस्त में 8, 22 एवं 29 एवं अगस्त को चिन्हित शासकीय शालाओं में अध्ययनरत 10 वर्ष एवं 16 वर्ष तक के विद्यार्थियों को टिटनेस (धनुष्टाकार) का टीका लगाया जायेगा। टीका लगने से घातक एवं जानलेवा बीमारियों से सुरक्षा प्रदान की जा सकेगी। जिले में इस अभियान का क्रियान्वयन स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त रूप से किया जायेगा। स्वास्थ्य एवं स्कूल शिक्षा विभाग के समन्वय से जिले की शासकीय शालाओं में टीकाकरण के लिए कार्य योजना तैयार की गई है। इसके अंतर्गत 8, 22 एवं 29 अगस्त को स्वास्थ्य विभाग के दल द्वारा निर्धारित शासकीय शालाओं में टीकाकरण किया जायेगा। यह अभियान यूविन पोर्टल पर आधारित होगा। इसके लिए विद्यार्थियों का आधार कार्ड एवं अभिभावकों का मोबाइल नम्बर अनिवार्य होगा। मोबाइल नम्बर से छात्र- छात्राओं का पूर्व पंजीयन यूविन पोर्टल पर किया जायेगा। टीका लगने पश्चात विद्यार्थियों को टीकाकरण सर्टिफिकेट जनरेट हो जायेगा, जिसका मैसेज रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर पर पहुंच जायेगा। जिन ब'चों का आधार कार्ड नहीं है, उनको भी यह टीका लगाया जायेगा, लेकिन उनका रजिस्ट्रेशन यूविन पोर्टल पर नहीं हो सकेगा और ऑनलाइन सर्टिफिकेट भी जनरेट नहीं हो पायेगी। विद्यार्थियों के अभिभावकों से अपील की गई है कि वे उक्त दिनांक को अपने ब'चों को विद्यालय अवश्य भेंजे। विद्यार्थी टीका लगवाने से पूर्व नाश्ता एवं भोजन करके ही टीका लगवायें। इस अभियान को सफल बनाने के लिए सहयोग की अपील भी की गई है।

## मुख्यमंत्री जी के मुख्य आतिथ्य में चयनित जिलों में आभार सह उपहार कार्यक्रम का आयोजन होगा

**विदिशा।** मुख्यमंत्री लाली बहना योजना 2023 की लाभार्थी महिलाओं के लिए श्रावण मास में रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में एक मुश्त राशि प्रदान की जानी है। इस हेतु मुख्यमंत्री जी के मुख्य आतिथ्य में चयनित जिलों में निर्धारित तिथियों पर आभार सह उपहार कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। विदिशा जिले में भी मंत्रीगण एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। दस अगस्त 2024 को समस्त ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों (नगरपालिका एवं नगर पंचायत) में भी आयोजित किया जाना है। यह कार्यक्रम स्थानीय जन-प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा।

## बाढ़ प्रबंधन में किसी भी प्रकार की चूक ना हो : कलेक्टर

**विदिशा।** कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक के पहले सभी एसडीएम व विभागो के अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि बाढ प्रबंधन संबंधी कार्यो के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की चूक ना हो। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर आपदा संबंधी कही कोई खबर प्राप्त होती है तो तत्काल रवाना होकर राहत कार्यो का सम्पादन करें। उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र में प्रशासन की उपस्थिति अविलम्ब हो इसके लिए हर स्तर पर सूचना तंत्र भी उन्नत करें। कलेक्टर श्री वैद्य ने हाल ही में प्रदेश के अन्य जिलो में घटित घटनाओं को रेखांकित करते हुए कहा कि विदिशा जिले में इस प्रकार की घटनाओं की पुर्नरावृत्ति ना हो इसके लिए सजग, सतर्कता और चैकन्ने प्रबंध पर विशेष नजर रखें। उन्होंने कहा कि जिले का एक भी स्कूल, आंगनबाडी व कार्यालय क्षतिग्रस्त भवनो में संचालित ना हो। हर एक विभाग के अधिकारी इस बात को सुनिश्चित करेंगे कि उनके अधीनस्थ कार्यालय जिन भवनो में संचालित हो रहे है वे जीर्ण-शीर्ण नहीं है। कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि जिले में हो रही अतिवर्षा व अन्य जिलो का पानी नदियों के माध्यम से विदिशा जिले की सीमा में प्रवेश करता है ऐसी विषम परिस्थितियों में सुरक्षा के तमाम प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं खासकर नदी नालो के पुलो के ऊपर जल बहाव होने के कारण किसी भी प्रकार से आवागमन ना हो को सुनिश्चित कराएं तथा आवश्यता के अनुसार पुलो के दोनो और बेरिकेटस लगाने व कर्मचारियों की तैनाती अनिवार्य रूप से की जाए।

# अपनी यात्रा का सूत्रपात स्वयं ही करना है : अनंतमति माता जी

**नरसिंहपुर।** संसार में जीव अज्ञानता वश,लोभ ओर प्रलोभनों के कारण दुखी है,वह संसार में सुख की चाह रखता है पर सुख क्या है यह समझना है कंदेली स्थित जैन मंदिर जी ससंघ विराजमान आर्यिका रत्न 105 अनंतमति माता जी ने चौमासे में मूकमाटी महाकाव्य को विवेचित करते हुए कहा कि मूकमाटी महाकाव्य का अध्ययन ओर श्रवण कर जीव अपना कल्याण कर सकता है। आचार्य श्री ने मूकमाटी के माध्यम से संदेश दिया कि आत्मा की मुक्ति केवल स्वयं के प्रयासों से ही संभव है इस का सूत्रपात स्वयं की करना है। मूकमाटी महाकाव्य समाज के लिये अनमोल निधि है जो मानवता के सामने खड़ी आधुनिक चुनौतियों का सामना करने के लिये जैन दर्शन के मूल विचारों के साथ उनकी अनुपम देन है। इस महाकाव्य में आचार्य श्री ने अपनी गहन आध्यात्मिक समझ ओर ज्ञान के प्रकाश से काव्य में बोधगम्य तरीके से

कल्याणक विचारों को साझा किया है। मंदिर जी में प्रतिदिन प्रातः8:30 बजे मूकमाटी महाकाव्य के संदर्भ पर माताजी द्वारा सहज ओर सरल ढंग से विवेचना की जा रही है। आर्यिका संघ के चौमासे क्षेत्र का वातावरण धर्ममय बना हुआ है। इस अवसर पर उपस्थित होकर लोग धर्म-लाभ अर्जित कर रहे हैं।

# एमपी बोर्ड 10वीं-12वीं का टाइम टेबल घोषित

## हाई स्कूल की परीक्षा 27 फरवरी, हायर सेकेंडरी की 25 फरवरी से होगी

**भोपाल (नप्र)।** माध्यमिक शिक्षा मंडल (एमपी बोर्ड) ने मंगलवार को हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी परीक्षा 2025 की तारीखें घोषित कर दी हैं। हाई स्कूल की परीक्षा 27 फरवरी को शुरू होकर 19 मार्च को खत्म होगी। वहीं, हायर सेकेंडरी परीक्षा 25 फरवरी से शुरू होगी और 25 मार्च को खत्म होगी।

फिलहाल, हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी के परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया जारी है। ऐसे में बोर्ड ने इस सत्र में परीक्षा देने वाले स्टूडेंट्स की आधिकारिक संख्या घोषित नहीं की है। पिछले 2023-24 सत्र में एमपी बोर्ड की 10वीं-12वीं परीक्षा की तारीखों का ऐलान 2 अगस्त 2023 को किया गया था।

**प्रैक्टिकल एग्जाम 10 फरवरी से 25 मार्च तक -** रेगुलर स्टूडेंट्स के प्रैक्टिकल एग्जाम 10 फरवरी से 15 मार्च 2025 जबकि प्राइवेट छात्रों के 27 फरवरी से 25 मार्च 2025 तक होंगे। बोर्ड द्वारा जारी दिशानिर्देश के मुताबिक, एग्जाम हॉल में सुबह 8:30 बजे तक पहुंचना होगा। 8:45 बजे के बाद प्रवेश नहीं दिया जाएगा। एग्जाम हॉल में निर्धारित समय से 10 मिनट पहले कॉपी और 5 मिनट पहले प्रश्नपत्र दिए जाएंगे।

**बीते सत्र में 18.22 लाख स्टूडेंट्स ने दी थी 10वीं-12वीं की परीक्षा-** बीते सत्र में 10वीं-12वीं की परीक्षा 18.22 लाख स्टूडेंट ने दी थी। 10वीं की बोर्ड परीक्षा 9 लाख 65 हजार छात्रों ने दी थी। इस परीक्षा के लिए प्रदेशभर में कुल 3,868 एग्जाम सेंटर बनाए गए थे। वहीं, 12वीं की बोर्ड परीक्षा 7,501 केंद्रों पर हुई थी। इसमें 8 लाख 57 हजार स्टूडेंट्स शामिल हुए थे।

# राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से मुख्यमंत्री मिले

## मुख्यमंत्री ने राजभवन में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल से भी की सौजन्य भेंट

**भोपाल (नप्र)।** राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल से सौजन्य भेंट करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज राजभवन पहुंचे। राजभवन में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुष्पगुच्छ भेंट कर चर्चा की। राज्यपाल श्री पटेल से सौजन्य भेंट के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल से भी सौजन्य भेंट कर चर्चा की।

# राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने की उत्तर प्रदेश की राज्यपाल से भेंट

## विकास के विभिन्न विषयों पर हुई अनौपचारिक चर्चा

**भोपाल (नप्र)।** राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल से राजभवन के अतिथि गृह में मंगलवार को शिष्टाचार मुलाकात की। उन्होंने पुष्पगुच्छ भेंट कर श्रीमती पटेल का स्वागत किया। दोनों प्रदेशों के राज्यपालों ने परस्पर विकास के विभिन्न विषयों पर अनौपचारिक चर्चा कर उपहारों का आदान-प्रदान किया।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने मध्यप्रदेश के हस्तशिल्प उपहारस्वरूप उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल को प्रदान किए। उन्होंने चंदेरी के बुनकरों द्वारा निर्मित अंगवस्त्रम् और ब्रॉस की कलाकृति (कलश) उपहार के रूप में प्रदान किए। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने भगवान श्रीरामलला की प्रतिकृति और इत्र भेंट किया। भेंट उपरांत राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल को भोपाल राजभवन से उज्जैन के लिए विदाई दी।

# इंदौर और जबलपुर शहरी क्षेत्र में सिटी फारेस्ट बनाने की तैयारी तेज

**भोपाल(नप्र)।** लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग द्वारा इंदौर और जबलपुर शहरी क्षेत्र में नगर वन (सिटी फारेस्ट) विकसित करने की तैयारी की जा रही है। इसके लिये विभाग द्वारा योजनाबद्ध तरीके से तेजी से कार्य किया जा रहा है। विभाग द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 की कार्य योजना में नगर वन विकसित करने संबंधी प्रस्ताव रखा गया है।

# भोपाल में बारिश, 15 जिलों में बिजली गिरने का अलर्ट

## एमपी में 24.4 इंच पानी गिरा, 7 जिलों में 30 इंच से ज्यादा बरसात

**भोपाल (नप्र)।** मध्यप्रदेश में भारी बारिश का दौर अगले एक सप्ताह थमा रहेगा। कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। मानसून ट्रफ के प्रदेश से ऊपर निकलने और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कमजोर होने से ऐसा होगा।

मंगलवार दोपहर 12 बजे से भोपाल में रिमझिम हो रही है। सोमवार रात को कटारा के नाले में बहा युवक का शव आज सुबह झाड़ियों में मिला है। वह सोमवार रात दो साथियों के साथ नाला पार कर रहा था। उसके दोनों साथी निकल गए, लेकिन वह बह गया।

एमपी में मानसून की एंट्री से अब तक 45 दिन हो गए, इस दौरान औसत 24.4 इंच बारिश हो चुकी है, जो सीजन की 65 प्रतिशत है। भोपाल, मंडला, सिवनी, नर्मदापुरम समेत 7 जिले ऐसे हैं, जहां पर 30 इंच से ज्यादा पानी गिर चुका है। मंडला में सबसे ज्यादा 36.67

इंच बारिश हो चुकी है।

आईएमडी भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, मानसून ट्रफ मध्यप्रदेश के ऊपर है। ईस्ट-वेस्ट ट्रफ भी गुजर रही है। ट्रफ साउथ राजस्थान से नॉर्थ केरल तक जा रही है। इस वजह से भारी बारिश का अलर्ट नहीं है। एक सप्ताह तक ऐसा ही दौर रहेगा।

### बिजली गिरने के आसार ज्यादा

सीनियर वैज्ञानिक डॉ. सुरेंद्रन ने बताया कि प्रदेश में गरज-चमक की एक्टिविटी बनी रहेगी। इससे आकाशीय बिजली गिरने या चमकने के मामले बढ़े रहेंगे। इसलिए बिजली चमकने के दौरान लोगों से सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की गई है।

मौसम विभाग ने मध्यप्रदेश के 15 जिलों में बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। इनमें सिंगरौली, सीधी, मऊगंज, रीवा, सतना के चित्रकूट, मैहर, पन्ना, छतरपुर, शहडोल, टीकमगढ़, निवाड़ी के ओरछा, दमोह, जबलपुर, कटनी, उमरिया में अगले कुछ घंटों में गरज के साथ आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है। अनूपपुर के अमरकंटक व डिंडौरी में दोपहर बाद मौसम बदलेगा।

# मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी मुख्यालय पहुंचे सीएम

## कहा– मां के नाम पौधा रोपकर मातृशक्ति को नमन करें, पर्यावरणीय संतुलन में बनें सहभागी

**भोपाल (नप्र)।** मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के बिजली नगर स्थित मुख्यालय में पौधरोपण कार्यक्रम में सीएम डॉ. मोहन यादव, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर और ऊर्जा विभाग के अधिकारी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मां की याद में पौधा लगाकर हमें मातृशक्ति को नमन करने के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए भी काम कर रहे हैं। पर्यावरणीय संतुलन के लिए पौधों को रोपना जरूरी है। प्रधानमंत्री के मन के भाव को पूर्ण करने का काम हमें करना है और एक पेड़ मां के नाम पर लगाना है।

मुख्यमंत्री ने राजधानी के मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी मुख्यालय में ऊर्जा विभाग की ओर से तैयार किए गए विद्युत और बिजली नाम के शुभांकर का लोकार्पण भी किया। जिसमें विद्युत एक बच्चा और बिजली एक बच्ची के रूप में बताई गई है। इसे नागरिकों को सुविधाएं देने में इस्तेमाल किया जाएगा।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के मुख्यालय में पौधरोपण कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि सीएम ने पांच करोड़ पौधों के रोपने का लक्ष्य तय किया है। इसी तारतम्य में प्रदेश की तीनों ही विद्युत वितरण कंपनियों के मुख्यालय में एक लाख पौधे रोपे जाएंगे।

पौधरोपण का यह काम अन्य कंपनी मुख्यालयों पर भी किया जाएगा। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव ऊर्जा मनु श्रीवास्तव व मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के सीएमडी, महापौर मालती राय मौजूद रहे।

# स्लीमनाबाद टनल का निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण करें : उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

## स्लीमनाबाद टनल कार्य की प्रगति की समीक्षा की

**भोपाल (नप्र)।** उप-मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने मंत्रालय में स्लीमनाबाद टनल निर्माण कार्य प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने और आवश्यक सावधानियों का ध्यान रखने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आवासीय क्षेत्र के नीचे टनल निर्माण करते हुए विशेष सावधानी बरती जाये। उल्लेखनीय है कि विगत दिवस मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा स्लीमनाबाद टनल निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई थी।

बरगी व्यपवर्तन परियोजना से जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना एवं रीवा सहित आस-पास के जिलों के कृषकों को सिंचाई और ग्रामीणों को पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी।

# बिल्डिंग परमिशन की 104 शिकायतें हैं, ये क्यों बढ़ रही ?

## महापौर बोलीं–इतनी शिकायतें पेंडिंग नहीं होनी चाहिए ; दिक्कत हो तो बैठकर सुलझाएं

**भोपाल (नप्र)।** बिल्डिंग परमिशन की 104 शिकायतें पेंडिंग है। इतनी नहीं होनी चाहिए। ये क्यों बढ़ रही है? यदि कोई दिक्कत हो तो बैठकर सुलझाएं। महापौर मालती राय ने मंगलवार को बिल्डिंग परमिशन शाखा के अफसर को कॉल करके कुछ इस तरह से निर्देश दिए। भोपाल के स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम से मंगलवार को महापौर राय ने 'महापौर हेल्पलाइन' की समीक्षा की। उन्होंने हर विभाग के जिम्मेदारों को कॉल करके पेंडिंग शिकायतों के बारे में बताया। महापौर ने उद्यान, सिविल, गोवर्धन परियोजना, अतिक्रमण, सफाई, स्ट्रीट लाइट, सीवेज, स्ट्रीट डॉग्स प्रभारी को भी कॉल किया।

**शिकायतें लेकर आईये, पेंडिंग के बारे में चर्चा करेंगे-** महापौर ने बिल्डिंग परमिशन शाखा के अफसर से कहा कि यदि शिकायतें पुरानी हैं, जो उनकी वजह बताते हुए उन्हें दूर किया जाए। शिकायतों के संबंध में मीटिंग में चर्चा करेंगे।

**एक सप्ताह में 575 शिकायतें आईं-** महापौर राय ने बताया कि इस सप्ताह कुल 575 शिकायतें आई हैं। करीब 200 शिकायतों पर काम चल रहा है। बाकी दूर कर दी गई। करीब 1 हजार पुरानी शिकायतें हैं। इनमें सबसे ज्यादा स्ट्रीट डॉग से जुड़ी हैं। लोग

खुद बंद नहीं कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि कॉलोनी से हमेशा के लिए डॉग हट जाए, लेकिन निगम के पास संसाधन कम है। वहीं, नियम है कि जहां से डॉग को पकड़ते हैं, वहीं पर छोड़ते हैं। इसलिए शिकायतें पेंडिंग हैं। सीवेज की शिकायतें भी तुरंत दूर कर रहे हैं।

**लोगों को भी कॉल किया-** महापौर ने मंगलवार को अफसरों के साथ शिकायत करने वाले लोगों को भी कॉल किया। एक व्यक्ति से पूछा कि आपने अतिक्रमण की शिकायत की थी, क्या वह दूर हो गई? इस पर व्यक्ति ने कहा कि कल अमले ने अतिक्रमण हटा दिया, लेकिन आज फिर से जमा हो गया।

बैंगलुरू इन्वेस्टर समिट

# स्पेस टेक्नोलॉजी में म.प्र. ने पहली बार निवेश के लिए बढ़ाया कदम

**भोपाल (नप्र)।** राज्य की विकास योजनाओं में नवीन तकनीक की सहायता लेने और उपयोग बढ़ाने के लिए मध्यप्रदेश पहली बार स्पेस टेक कंपनियों को निवेश के लिए आमंत्रित कर रहा है।

स्पेस टेक्नोलॉजी सेक्टर में मध्यप्रदेश में पहली बार निवेश प्राप्त करने के लिए कदम बढ़ाया है। स्पेस टेक्नोलॉजी सेक्टर में काम कर रही कंपनियां उपग्रह चित्रण और डाटा एनालिटिक्स की सेवाएं उपलब्ध कराती है। उपग्रह के माध्यम से वैश्विक निगरानी और डाटा की शुद्धता में सुधार होता है। यह कंपनियां अंतरिक्ष में प्रदूषण और कक्षीय वस्तुओं पर निगरानी के लिए नवीनतम तकनीकी विकसित कर रही है। इन कंपनियों का उद्देश्य अंतरिक्ष में सुरक्षा को बढ़ाना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बेंगलुरु में आयोजित निवेशको के साथ 7 एवं 8 अगस्त को आयोजित दो दिवसीय इन्वेस्टर रोड-शो में उद्योगपतियों से संवाद करेंगे। वे इस क्षेत्र में काम कर रही प्रमुख कंपनियों को मध्यप्रदेश में निवेश का आमंत्रण देंगे। इनमें मुख्य रूप से पिक्सल, दिगंतरा, गैलेक्स आई, सेटस्योर कलाइड ईओ, स्काई सर्वर जैसी कंपनियों से मध्यप्रदेश में निवेश की संभावना पर चर्चा करेंगे। सेटस्योर कंपनी सैटेलाइट इमेजरी उपलब्ध कराती है जो कृषि क्षेत्र के लिए बहुत उपयोगी है। इसी प्रकार पिक्सल कंपनी पृथ्वी के चित्रों पर आधारित छोटे सैटेलाइट का निर्माण और संचालन करती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आईटी सेक्टर की कंपनियों से भी संवाद करेंगे और निवेश की संभावना पर चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुख्य रूप से कॉग्निजेंट, नेसकॉम, किंड्रील, इंफोसिस, टीसीएस, विसेन टेक्नोलॉजी, सीसा इंफोसेक हैपिएस्ट माइंड्स, डेल्टा कैपिटा, नीमन मारकस एवं मोवाटे जैसी कंपनियों के प्रतिनिधियों से चर्चा करेंगे।

इसके अलावा बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने वैश्विक ऑपरेशन को बेहतर तरीके से संचालन करने के लिए ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर स्थापित करती है। यह सेंटर आर्थिक प्रबंधन, मानव संसाधन प्रबंधन, आईटी सपोर्ट, डाटा एनालिटिक्स और अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता की सेवाएं और संचालन की दक्षता प्रदान करते हैं। वे लागत में कमी लाने में भी मदद करते हैं और स्थानीय बाजार में निवेश के अवसर सृजन करने में सहायक होते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशा है कि ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स को भोपाल और इंदौर में स्थापित करें। इससे स्थानीय रोजगार के अवसर सृजित होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। इन केंद्रों की स्थापना से राज्य की प्रतिभाओं का उपयोग किया जा सकेगा जिससे कुशल कार्यबल की उपलब्धता भी बढ़ेगी। इन केंद्रों से शहरों में तकनीकी नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहन मिलेगा।

# देश में 95 फीसदी यात्री ट्रेनों में लगे बॉयो टॉयलेट

## इनमें से 1125 कोचों में लगे 4500 निशातपुरा रेलवे कोच फैक्ट्री में लगाए गए

**भोपाल (नप्र)।** निशातपुरा स्थित रेलवे कोच फैक्ट्री में हर साल औसतन 400 के आसपास कोचों में बॉयो टॉयलेट लगाए गए। तीन साल का आंकड़ा देखें तो 1125 कोच में 4500 बॉयो टॉयलेट यहां लगाए गए। इनमें प्रति कोच 120 लीटर लिक्विड बैक्टीरिया का उपयोग किया गया। इस तरह कुल 54 हजार लीटर लिक्विड बैक्टीरिया की खपत 1125 कोचों में लगे बॉयो टॉयलेट में की गई।

पश्चिम-मध्य रेल जोन के सीपीआरओ हर्षित श्रीवास्तव का कहना है कि बॉयो टॉयलेट लगने से स्टेशन एरिया, रेलवे ट्रैक काफी साफ रहने लगा है। इस वजह से ट्रैकमैन को काम करने में काफी आसानी हो गई है।

सबसे खास बात यह रही कि रेल मंडल ही नहीं देशभर में चलाई जा रही

सभी यात्री ट्रेनों के कोच में अब बॉयो टॉयलेट लगाए जा चुके हैं। इनसे रेलवे ट्रैक पर केवल ट्रीटेड वॉटर ही गिर रहा है। इस वजह से ट्रैकमैन को पूर्व में होने वाली ई-कोलाई समेत वायरस इंफेक्शन से होने वाली बीमारियों से काफी हद तक निजात मिल गई है। रेलवे और रक्षा अनुसंधान विकास संगठन डीआरडीओ ने वर्ष-2010 में बॉयो टॉयलेट का अविष्कार किया।

**ढाई लाख से ज्यादा:** रेलवे ने अब तक 95 फीसदी से ज्यादा ट्रेनों में ढाई लाख से ज्यादा बॉयो टॉयलेट लगा लिए हैं। इससे रेलवे ट्रैक पर 2 लाख 74 हजार लीटर से ज्यादा मानव अपशिष्ट का ट्रैक पर गिरना बंद हो चुका है।

**पर्यावरण के अनुकूल**...बॉयो टॉयलेट एक पूरा अपशिष्ट प्रबंधन संबंधी समाधान है। जो बैक्टीरियल इनोकुलम की मदद से ठोस मानव अपशिष्ट को बॉयो गैस और शुद्ध पानी में बदल देता है। यह सिस्टम पर्यावरण के काफी अनुकूल, कम खर्च वाला और साफ-सफाई की दृष्टि से सुदृढ़ व मानव अपशिष्ट के निपटान की उच्चतम तकनीक है।

### करना पड़ता है रीफिल...

हर बॉयो टॉयलेट में लगे टैंक को तीन महीने के अंतराल से 10 लीटर बैक्टीरिया डालकर रीफिल किया जाता है। जब यह एनारोबिक लिक्विड बैक्टीरियल मैटेरियल मानव उत्सर्जन में पहुंचता है, वह इसे गैस और तरल पदार्थ में बदल देता है। इस दौरान मीथेन और कार्बनडाय आक्साइड गैसें बाहर निकल जाता है। तरल पदार्थ को क्लोरीन से ट्रीट कर कीटाणु रहित बनाकर जमीन पर छोड़ दिया जाता है।

**-सौरभ कटारिया,**
सीनियर डीसीएम, भोपाल